नई दिल्ली ■ गुरुवार 30 अप्रैल 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 14 ■ अंक 32 ■ पृष्ठ 08

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल, करनाल एवं मुजफ्फरनगर से प्रकाशित

04 तपती धरती: कारण और समाधान | 07 मैच के दौरान ड्रेसिंग रूम में ई-सिगरेट पीते दिखे रियान पराग | 'रजनी की बारात' का पोस्टर रिलीज 08

पश्चिम बंगाल चुनाव के अंतिम चरण में छिटपुट हिंसा के बीच 91.41% मतदान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे एवं अंतिम चरण में भी छिटपुट हिंसा के बीच बंपर मतदान हुआ। राजधानी कोलकाता सहित दक्षिण बंगाल के सात जिलों की 142 सीटों के लिए 91.41 प्रतिशत मतदान हुआ। मतगणना चार मई को होगी और नतीजे भी दोपहर 12 बजे तक स्पष्ट हो जाएंगे कि राज्य में किसकी सरकार बनेगी।

निर्वाचन आयोग के मुताबिक सुबह 07 बजे शुरु हुए मतदान के बीच 9 बजे तक करीब 18 प्रतिशत, 11 बजे तक 39.97 प्रतिशत, दोपहर 01 बजे तक 61.11 प्रतिशत तथा दोपहर 03 बजे तक 78.68 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। पूर्व बर्धमान में सबसे अधिक 93.39 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया जबकि सबसे कम कोलकाता दक्षिण में 87.25 प्रतिशत मतदान हुआ है। इसके अलावा हुगली जिले में 91.41 प्रतिशत, हावड़ा में 90.93 प्रतिशत, कोलकाता उत्तर में 88.91 प्रतिशत मतदान हुआ है। नदिया जिले में 91.35 प्रतिशत, उत्तर 24 परगना में 91.39 प्रतिशत तथा दक्षिण 24 परगना में 91.45 प्रतिशत मतदान हुआ है। दूसरे और आखिरी चरण में कुल 1,448 उम्मीदवारों का राजनीतिक भविष्य ईवीएम में कैद हो गया। इस चरण में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी भवानीपुर सीट पर आमने-सामने हैं।

इसके अलावा राज्य के मंत्री फिरहाद हकीम, अरूप बिश्वास, जावेद खान, सुजीत बसु, शशि पांजा समेत सत्तारूढ़ तृणमूल सरकार के कई मंत्री, बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार, माकपा की मीनाक्षी मुखर्जी और दीप्शिता धर शामिल हैं। इसके अलावा आरजी कर अस्पताल में दुष्कर्म और हत्या की शिकार हुईं डॉक्टर की मां रत्ना देवनाथ एवं संदेशखाली आंदोलन का चेहरा रेखा पात्र भी भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार हैं। दक्षिण बंगाल के सात जिलों कोलकाता, हावड़ा, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, हुगली, नदिया और पूर्व बर्धमान की 142 सीटों पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किये गये थे। इसमें राज्य पुलिस और केंद्रीय बलों के साथ-साथ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) भी मतदान प्रक्रिया पर पूरे दिन नजर बनाये रही।

मतदान वाले इलाकों में केंद्रीय बलों की 2,231 कंपनियों यानी दो लाख से अधिक जवानों की तैनाती की गई थी। सबसे अधिक 274 कंपनियां केंद्रीय बल की तैनाती राजधानी कोलकाता में की गई।

जबकि पूर्व बर्दवान जिले में 263, हुगली (ग्रामीण)क्षेत्र में 236 कंपनी तैनात रही। इसके साथ ही करीब 40 हजार पुलिसकर्मियों को चुनावी ड्यूटी पर लगाया गया था। हालांकि, कड़े सुरक्षा इंतजामों के बावजूद कई स्थानों से हिंसा और गड़बड़ी की शिकायतें सामने आई। मतदान शुरू होने से पहले नदिया जिले के चापड़ा विधानसभा क्षेत्र में बूथ संख्या 53 पर जाने के दौरान भाजपा एजेंट मुशर्रफ मीर पर हमला किया गया। भाजपा का आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस समर्थकों ने एजेंट को बुरी तरह पीटा और उनका सिर फोड़ दिया।

कोलकाता की हाई प्रोफाइल सीट भवानीपुर में सुरक्षा बलों ने तृणमूल कांग्रेस प्रत्याशी और निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भाई कार्तिक बनर्जी को उस वक्त चेतावनी दी जब वे मतदान केंद्र के पास कुछ लोगों के साथ बैठे थे। उधर, भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के कालीघाट में शुभेंदु अधिकारी बूथों का दौरा करने पहुंचे, तब वहां मौजूद तृणमूल कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनके खिलाफ नारे लगाने शुरू कर दिए। इसके जवाब में भाजपा समर्थकों ने 'जय श्रीराम' के नारे लगाए। दोनों पक्षों के बीच नारेबाजी से कालीघाट रोड और हरीश मुखर्जी रोड के मोड़ पर माहौल गरमा गया। स्थिति बिगड़ती देख शुभेंदु अधिकारी ने वहीं से चुनाव आयोग को शिकायत की और फोन कर केंद्रीय बल बुलाने की बात कही। कुछ ही मिनटों में बड़ी संख्या में पुलिस और केंद्रीय बल मौके पर पहुंच गए। हालात को काबू में करने के लिए हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा। दूसरी ओर, कोलकाता में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सुबह-सुबह कालीघाट स्थित अपने आवास से निकलकर चेतला और पद्मपुकुर रोड इलाके में मतदान का जायजा लेने पहुंच गईं। इस दौरान मीडिया से बातचीत में ममता ने मतदान प्रक्रिया के दौरान बाहरी पर्यवेक्षकों की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि कुछ लोग बाहर से आकर मतदाताओं में भय का माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने चुनाव आयोग पर भी पक्षपात का आरोप लगाया और कहा कि राज्य में प्रशासनिक अधिकारियों के तबादले बिना परामर्श के किए जा रहे हैं।

ममता ने कहा कि कई पर्यवेक्षक राज्य के बाहर से आये हैं। वे भाजपा के आदेश पर काम कर रहे हैं। कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं कर रहे हैं। हमने कोर्ट की अवमानना का नोटिस भेजा है, फिर भी कई बाहरी पर्यवेक्षकों को यहां लाया गया है। शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी के सुबह-सुबह बूथ निरीक्षण करने पर पर तंज कसते हुए कहा कि वे 'दबाव में आकर' सुबह ही मैदान में उतर गई हैं। बिना दबाव के नेता ऐसा कदम नहीं उठाते। भवानीपुर सीट से ममता बनर्जी के खिलाफ अपनी जीत का दावा करते हुए शुभेंदु ने कहा कि मुख्यमंत्री 30 हजार वोटों से हारने जा रही हैं। भवानीपुर के पड़ोसी विधानसभा क्षेत्र रासबिहारी में कांग्रेस के पोलिंग एजेंट को बूथ में प्रवेश करने से रोका गया। पूर्व तृणमूल विधायक और बांग्ला फिल्मों के सुप्रसिद्ध अभिनेता चिरंजीत चक्रवर्ती ईवीएम खराबी के कारण मतदान नहीं कर सके। वे सुबह कोलकाता के चारुचंद्र कॉलेज स्थित मतदान केंद्र पहुंचे थे जहां तकनीकी समस्या के चलते मतदान देर से शुरू हुआ।

इसके अलावा, डायमंड हार्बर के फलता इलाके में ईवीएम पर टेप चिपकाये जाने के आरोपों से राजनीतिक तल्खी बढ़ गई। भाजपा ने इसकी एक तस्वीर साझा करते हुए आरोप लगाया कि जिन बटनों पर टेप लगाया गया, उनमें तीसरे नंबर पर भाजपा और चौथे नंबर पर माकपा का चुनाव चिह्न था। भाजपा का कहना है कि यह जानबूझकर किया गया ताकि मतदाता उनके उम्मीदवार को वोट न दे सकें। भाजपा ने इसके लिए तृणमूल को जिम्मेदार ठहराते हुए पुनर्मतदान की मांग की है। दक्षिण 24 परगना जिले के भांगड़ इलाके में पूरे दिन हालात तनावपूर्ण बने रहे। यहां आईएसएफ नेता नौशाद सिद्दिकी के खिलाफ नारेबाजी की घटना से तनाव और बढ़ गया।

उत्तर प्रदेश के विकास की नई जीवन रेखा बनेगा गंगा एक्सप्रेस-वे: मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उप्र के सबसे लंबे एक्सप्रेस-वे का किया लोकार्पण

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के हरदोई जनपद में प्रदेश के सबसे लंबे गंगा एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जैसे मां गंगा हजारों वर्ष से उत्तर प्रदेश की और इस देश की जीवन रेखा रही है, वैसे ही आधुनिक प्रगति के इस दौर में उनके समीप से गुजरता यह गंगा एक्सप्रेस-वे राज्य के विकास की नई जीवन रेखा बनेगा।

गंगा एक्सप्रेसवे के लोकार्पण के मौके पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह भी संयोग है कि पिछले चार-पांच दिन से मां गंगा के सानिध्या में रहा। आज सुबह ही काशी में दर्शन किया। अब मां गंगा के नाम पर बने इस एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण का अवसर मिला है। मुझे खुशी है कि यूपी सरकार ने इस एक्सप्रेस-वे का नाम मां गंगा के नाम पर रखा है। इसमें विकास का विजन झलकता है और विरासत की झलक भी दिखती है। मै यूपी के करोड़ों लोगों को गंगा एक्सप्रेसवे की बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज लोकतंत्र के उत्सव का अहम दिन है। बंगाल में दूसरे चरण का मतदान हो रहा है। जो खबरें आ रही हैं, उससे पता चलता है कि बंगाल में भारी मतदान हो रहा है।

पहले चरण की तरह ही जनता वोट देने के लिए बड़ी संख्या में घरों से निकल रही है। लंबी-लंबी कतारों की तस्वीरें सोशल मीडिया में छाई हुई है। पिछले पांच छह दशक में जो नहीं हुआ, वह आज हो रहा है। लोग भयमुक्त होकर मतदान कर रहे हैं। यह देश के संविधान और देश के मजबूत होते लोकतंत्र का पुण्य प्रतीक है। मै बंगाल की जनता का आभार प्रकट करता हूं। अभी वोटिंग में कई घंटे बाकी हैं। बंगाल की जनता से अपील करता हूं कि ऐसे ही वे उत्साह से लोकतंत्र के इस पर्व में भागीदारी करें।

उन्होंने कहाकि कुछ समय पहले बिहार में जब चुनाव हुए तब भाजपा एनडीए ने चुनाव में इतिहास रच दिया था। अभी-अभी कल ही गुजरात में निकाय और पंचायत चुनावों के रिजल्ट आए हैं। आपको जानकर खुशी होगी कि भाजपा ने 80 फीसदी निकाय और पंचायत चुनाव जीत लिए हैं। मोदी के इन शब्दों के दौरान भारी जनसमूह ने मोदी-मोदी के नारे लगाए। मोदी ने कहा कि मुझे विश्वास है कि भाजपा इन पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में हैट्रिक लगाने जा रही है। चुनाव परिणाम 4 मई को विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करेंगे। देश के विकास की गति को नयी ऊर्जा से भरेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के विकास लिए तेजी से हमें इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करना है। दिसंबर 2021 में गंगा एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास करने मैं शाहजहांपुर आया था। अभी पांच साल से भी कम समय हुआ है। देश के सबसे बड़े एक्सप्रेसवे में शुमार यह गंगा एक्सप्रेसवे बनकर तैयार हो गया है। आज हरदोई से इसका लोकार्पण हो रहा है। यही नहीं, एक ओर गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण पूरा हुआ है, साथ ही इसके विस्तार की योजना पर कार्य शुरू हो गया है। जल्द ही यह गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ से बढ़कर हरिद्वार तक जाएगा। यह डबल इंजन सरकार का कार्य। यह है भाजपा सरकार के कार्य करने का विजन और तरीका। मोदी ने कहा कि कुछ दिन पहले दिल्ली देहरादून एक्सप्रेसवे के लोकार्पण करने का मौका मिला था। तब मैने कहा था कि यह एक्सप्रेसवे विकसित भारत की हस्तरेखाएं हैं। अब वह दौर चला गया जब एक सड़क के लिए दशकों तक इंतजार करना पड़ता था। शिलान्यास हो जाता था। चुनाव के लिए पत्थर लग जाते थे। सरकारें आती-जाती रहती थीं। फिर वह योजना फाइलों में दब कर रह जाती थी। आज डबल इंजन की सरकार में शिलान्यास होता है तो लोकार्पण भी होता है। यह एक्सप्रेसवे जिन क्षेत्रों से होकर गुजर रहा है, यहां की जमीन वरदान के रूप में है, लेकिन पहले की सरकारों ने कार्य नहीं किया। कोल्ड स्टोरेज की कमी थी। बड़े बाजारों तक पहुंच नहीं थी। किसानों को काई अवसर नहीं मिलते थे। मोदी ने कहा कि अब किसान अपने उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंचा सकेंगे। औद्योगिक कोरिडोर विकसित किए जा रहे हैं। सभी 12 जिलों में उद्योग के नये अवसर पैदा होंगे।

बेंगलुरु में सरकारी अस्पताल की दीवार ढही

मलबे में दबकर सात की मौत व कई घायल

बेंगलुरु। शहर में शिवाजीनगर स्थित बोरिंग एंड लेडी कर्जन अस्पताल की एक पुरानी चहारदीवार भारी बारिश के कारण बुधवार की ढहने से कई लोग मलबे में दब गए है। प्रारंभिक जानकारी में सात लोगों की मौत हो गई है, लेकिन आअधिकारिक रूप से अभी पुष्टि नहीं की गई।मौके पर बचाव व राहत कार्य चल रहा है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने घटनास्थल का दौरा किया है।

बताया गया कि बुधवार शाम को तेज बारिश के दौरान बोरिंग एंड लेडी कर्जन अस्पताल की एक पुरानी चहारदीवार अचानक ढह गई। इस घटना में 15 लोग दीवार के मलबे में दब गए है। प्रारंभिक जानकारी में सात लोगों की मौत हुई है, लेकिन अधिकारिक रूप से अभी पुष्टि का इंतजार है। इस हादसे में कई बच्चों समेत अन्य लोग भी घायल भी हुए हैं। घटना की जानकारी मिलने पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने घटनास्थल का दौरा किया और बचाव व राहत कार्य में तेजी लाने और घायलों के उचित इलाज के आदेश दिए हैं।बेंगलुरु में अस्पताल कंपाउंड की दीवार गिरने की घटना पर राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि घटना के संबंध में पुलिस कमिश्नर से बात की है। मैं अपनी मीटिंग बीच में ही खत्म कर तुरंत घटनास्थल पर जा रहा हूँ।

साबरकांठा में लग्जरी बस ने कार को मारी टक्कर, 6 लोगों की मौत

साबरकांठा। गुजरात के साबरकांठा जिले में बुधवार सुबह हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बाली में एयर इंडिया के पायलट का दिल का दौरा पड़ने से मौत

नई दिल्ली। एयर इंडिया के एक पायलट की बुधवार को इंडोनेशिया के बाली में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। पायलट वहां विश्राम अवकाश पर थे। एयरलाइन के एक अधिकारी के अनुसार, लगभग 40 वर्षीय यह 'फर्स्ट ऑफिसर' मंगलवार को दिल्ली से बाली की उड़ान परिचालित कर वहां पहुंचे थे।

एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि फर्स्ट ऑफिसर बाली में चालक दल के निर्धारित विश्राम पर थे, तभी उन्होंने अपने होटल में काफी बेचैनी और अस्वस्थता की शिकायत की। प्रवक्ता ने कहा कि उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां पता चला कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा है। चिकित्सा दल के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। प्रवक्ता ने कहा कि एयर इंडिया पायलट के निधन से गहरे दुख में है। उन्होंने कहा कि एयरलाइन पायलट के परिवार के साथ लगातार संपर्क में है और हरसंभव सहायता प्रदान कर रही है। फिलहाल घटना के बारे में अधिक विवरण का पता नहीं चल पाया है। एयरलाइन अधिकारी ने बताया कि पायलट ने कुछ महीने पहले ही नियामक आवश्यकताओं के अनुसार सभी अनिवार्य चिकित्सा जांच करवायी थीं।

गर्मी में कोल्ड ड्रिंक बढ़ाता है डिहाइड्रेशन का खतरा: एम्स

नई दिल्ली। भीषण गर्मी में प्यास बुझाने के लिए कोल्ड ड्रिंक का सेवन शरीर को राहत देने के बजाय नुकसान पहुंचा सकता है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के विशेषज्ञों के अनुसार कोल्ड ड्रिंक बार-बार लेना डिहाइड्रेशन, ब्लड शुगर में उतार-चढ़ाव और दिल पर अतिरिक्त दबाव जैसी समस्याएं बढ़ा सकता है।

एम्स दिल्ली में बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में चिकित्सक डॉ. शैफाली गुलाटी, डॉ. नवल विक्रम, डॉ. निधि सोनी और आहार विशेषज्ञ परमीत कौर ने चेतावनी दी कि गर्मी में कोल्ड ड्रिंक के साथ चिप्स, कुरकुरे जैसे हल्के-फुल्के स्नैक जोखिम भरा मिश्रण बन सकता है। उन्होंने कहा, कोल्ड ड्रिंक्स में मौजूद अधिक शुगर और कैफीन शरीर में पानी की कमी बढ़ाते हैं, जबकि चिप्स में उच्च सोडियम शरीर से पानी खींचता है। दोनों मिलकर गर्मी में शरीर को तेजी से डिहाइड्रेट कर सकते हैं। ब्लड शुगर में तेज उतार-चढ़ाव कोल्ड ड्रिंक तुरंत शुगर बढ़ाती है, जिससे थोड़ी देर ऊर्जा मिलती है लेकिन बाद में अचानक गिरावट से कमजोरी, चक्कर और थकान हो सकती है। यह स्थिति लू के मौसम में ज्यादा खतरनाक होती है।

दिल और बीपी पर असर चिप्स में ट्रांस फैट और ज्यादा नमक ब्लड प्रेशर बढ़ा सकते हैं। एम्स के मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ. नवल विक्रम ने बताया कि गर्मी में पहले से गर्मी झेल रहे शरीर पर कोल्ड ड्रिंक और चिप्स का मिश्रण दिल पर अतिरिक्त दबाव डालता है। पाचन संबंधी समस्याएं तला-भुना स्नैक और मीठा पेय गैस, एसिडिटी और पेट दर्द को बढ़ा सकते हैं, खासकर जब गर्मी में पाचन कमजोर होता है। उन्होंने कहा कि गर्मी में कोल्ड ड्रिंक की जगह ओआरएस का घोल लिया जा सकता है। चिप्स की जगह फल, खीरा, सलाद या भुने चने बेहतर विकल्प हैं। उन्होंने गर्मी के मौसम में सिर को ढंककर, सूती कपड़े पहन कर और बाहर निकलते समय छाते का इस्तेमाल करके लू से खुद को बचाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि नींबू पानी पिएं, सुबह और शाम को टहलें, जहां तक हो सके सीधी धूप में निकलने से बचें और नियमित रूप से पानी पीकर शरीर को हाइड्रेटेड रखें।

लेबनान में गहराता खाद्य संकट, 12 लाख से अधिक लोग भूख की चपेट में

बेरूत। लेबनान में मानवीय स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र से जुड़ी एजेंसियों की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, देश में 12 लाख से अधिक लोग गंभीर खाद्य संकट और भूख का सामना करने वाले हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि अप्रैल से अगस्त 2026 के बीच करीब 12.4 लाख लोगों को खाने-पीने की भारी कमी का सामना करना पड़ेगा। यह आंकड़ा सर्वे में शामिल आबादी के लगभग एक-चौथाई के बराबर है, जो स्थिति की गंभीरता को दर्शाता है। इससे पहले मार्च 2026 में, जब क्षेत्र में संघर्ष तेज नहीं हुआ था, तब लगभग 8.74 लाख लोग भूख संकट से जूझ रहे थे, जो कुल आबादी का करीब 17 प्रतिशत था। लेकिन हालिया घटनाओं के बाद यह संख्या तेजी से बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच बढ़ते संघर्ष, बड़े पैमाने पर विस्थापन और गहराता आर्थिक संकट इस स्थिति के प्रमुख कारण हैं।

संक्षिप्त खबरें

गैस रिफिलिंग करने पर मुकदमा दर्ज

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट के हबीबपुर गांव में एक दुकान में गैस की रिफिलिंग किए जाने का मामला सामने आया है। पूर्ति निरीक्षक ने पुलिस के साथ मिलकर दुकान पर छापा मारा। पुलिस टीम ने दुकान से गैस रिफिलिंग में प्रयोग किए जाने वाला नोजल, चार सिलेंडर और वजन तोलने वाला कांटा बरामद किया। पूर्ति निरीक्षक सोनू अग्रवाल ने बताया कि उनकी टीम को 24 अप्रैल को हबीबपुर स्थित एक दुकान में गैस रिफिलिंग की सूचना मिली। आपूर्ति विभाग की टीम पुलिस के साथ मिलकर दुकान पर पहुंची। जांच पड़ताल के दौरान पता चला कि दुकानदार गैस रिफिलिंग कर रहा था। इस मामले में पूर्ति निरीक्षक ने आरोपी दुकानदार संदीप के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। ईकोटेक तीन कोतवाली प्रभारी ने बताया कि मामले में जांच कर आवश्यक कार्रवाई की गई है।

कार सवारों पर मारपीट करने का आरोप

नोएडा। सर्फाबाद गांव निवासी व्यक्ति ने कार सवार दो लोगों पर गाली-गलौज और मारपीट करने का आरोप लगाया। इस संबंध में सेक्टर-113 थाने में केस दर्ज कराया है। राहुल यादव ने पुलिस को बताया कि 24 अप्रैल को रात दस बजे के करीब कपिल और मनीष दोनों भाई कार से आए। दोनों ने गाली-गलौज करनी शुरू कर दी। विरोध करने पर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित का कहना है कि आरोपियों के पास घटना के समय हथियार भी था। मारपीट के बाद से पीड़ित डरा हुआ है और उसने आरोपियों से जान का खतरा बताया है।

महिला को चोटिल कर बदमाशों ने चेन झपटी

नोएडा। फेज तीन थानाक्षेत्र में बाइक सवार बदमाश महिला को चोटिल कर गले से सोने की चेन झपट कर फरार हो गए। जिस समय वारदात हुई महिला सब्जी लेकर अपने फ्लैट पर आ रही थी। थाने में दी शिकायत में सेक्टर-121 स्थित क्लियो काउंटी सोसाइटी निवासी कुसम लता नैथानी ने बताया कि रविवार शाम को सात बजे वह सब्जी खरीदने गई थीं। सर्विस रोड से सब्जी लेकर आ रही थीं, तभी बाइक सवार बदमाश पीछे से आया और सोने की चेन झपट ली। चेन में ओम भी लिखा हुआ था। इस दौरान महिला को बदमाशों ने धक्का भी दिया। हादसे में महिला घायल हो गई।

घर से लाखों के गहने चोरी, मामले की जांच शुरू

नोएडा। सेक्टर-49 थानाक्षेत्र में चोर एक घर से लाखों रुपये के गहने चोरी कर फरार हो गए। थाने में दी शिकायत में उपेंद्र सिंह यादव ने बताया कि वह सेक्टर-49 के ई ब्लॉक के गली नंबर 17 में परिवार के साथ रहते हैं। बीते माह 29 मार्च को उपेंद्र ने सोने के गहने घर में बने लॉकर में सही सलामत रखे थे। गहनों में सोने की चेन, झुमकी, शर, दो अंगूठी, कंगन, नथ और मांग टीका शामिल था। बीते दिनों जब उपेंद्र ने लॉकर देखा तो गहने गायब थे। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

संदिग्ध परिस्थितियों में किशोरी लापता

नोएडा। सेक्टर-113 थानाक्षेत्र से 15 वर्षीय किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता हो गई। परिजनों ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई है। सर्फाबाद गांव निवासी राकेश कुमार ने पुलिस को बताया कि उनकी 15 वर्षीय बेटी लक्ष्मी 24 अप्रैल को बिना बताए घर से कहीं चली गई। अब तक घर नहीं लौटी है। करीबियों और रिश्तेदारों के यहां भी पता लगाया गया, किशोरी वहां पर भी नहीं है। पुलिस ने किशोरी की सकुशल बरामदगी के लिए एक टीम गठित कर दी है। शिकायतकर्ता ने बेटी के साथ अनहोनी होने की भी आशंका जताई है।

महिलाओं को ठगी से बचने के तरीके बताए

नोएडा। कमिश्नरेट पुलिस ने मिशन शक्ति अभियान-5.0 के तहत बुधवार को महिलाओं को साइबर अपराध से बचाव के प्रति जागरूक किया। मिशन शक्ति टीम ने हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। मिशन शक्ति के तहत ही छात्राओं को कराटे और जूडो का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों ने महिलाओं को ठगी के प्रकार और इससे बचने के उपायों के बारे में भी बताया।

बाइक की टक्कर से महिला की मौत

नोएडा। सेक्टर-20 थानाक्षेत्र में बाइक की टक्कर से महिला मौत हो गई। मृतका अट्टा बाजार के गली नंबर दो में रहती थीं। उनके बेटे रोशन ने पुलिस को शिकायत दी है। रोशन ने पुलिस को बताया कि सोमवार सुबह दस बजे उनकी मां पूनम देवी किसी काम से अट्टा बाजार जा रही थीं। पिलर नंबर 82 के पास तेज रफ्तार बाइक चलाते हुए आए युवक ने पूनम देवी को टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने उन्हें नजदीक के अस्पताल में पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नोएडा एयरपोर्ट से सप्ताहभर में शुरू हो सकती है टिकट की बुकिंग सेवा

नोएडा। नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बकास) से एयरोड्रम सिक्योरिटी प्रोग्राम (एएसपी) को मंजूरी मिलने के बाद अब नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ानों का रास्ता पूरी तरह साफ हो चुका है। उम्मीद है कि एक सप्ताह में यहां से विमानों की टिकट बुकिंग सेवा शुरू हो जाएगी इसके लिए यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (यापल) ने एयरलाइंस से बातचीत शुरू कर दी है। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (यापल) ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि बकास ने नोएडा एयरपोर्ट के लिए एयरोड्रम सिक्योरिटी प्रोग्राम (एएसपी) को मंजूरी दे दी है।

यह उड़ानों के लिए अंतिम बाधा थी, जो अब पूरी तरह खत्म हो चुकी है। इस मंजूरी का मतलब कि एयरपोर्ट पर सुरक्षा से जुड़ी सभी व्यवस्था और प्रक्रियाएं नियमों के अनुसार पूरी कर ली गई हैं। अब कंपनी एयरलाइंस और अन्य पार्टनर्स के साथ मिलकर उड़ानों की शुरुआत के लिए तारीख तय करेगी। पूरा ध्यान इस बात पर है कि सभी सिस्टम, प्रक्रियाएं और कर्मचारी पूरी तरह तैयार हों, ताकि एयरपोर्ट का संचालन सुरक्षित, सुचारु और बिना किसी परेशानी के शुरू किया जा सके। बयान में कहा गया कि उम्मीद लगाई जा रही है कि एक सप्ताह के अंदर एयरपोर्ट से फ्लाइट टिकट बुकिंग सेवा शुरू कर दी जाएगी। मई माह के अंत तक नोएडा एयरपोर्ट से 17 शहरों के लिए उड़ान शुरू होने की उम्मीद है। पहले सिर्फ घरेलू और कार्गो विमान उड़ेंगे। विमान सेवा शुरू करने के लिए यापल ने इंडिगो, एयर इंडिया और अकासा के साथ साझेदारी की है।

वहीं, टिकट बुकिंग सेवा शुरू होने के साथ ही शहरों की सूची के नाम का भी खुलासा कर दिया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक अगले एक सप्ताह में सभी प्रकार की बाधाओं को दूर कर फ्लाइट टिकट सेवा शुरू कर दी जाएगी। नोएडा एयरपोर्ट के संचालन के लिए अब सभी प्रकार की आपत्तियां दूर की जा चुकी हैं। पिछले दिनों ही यापल ने विदेशी सीईओ की सबसे बड़ी आपत्ति का निस्तारण कर भारतीय सीईओ को नियुक्त किया था। यापल ने नीतू समरा को अंतरिम सीईओ नियुक्त करते हुए क्रिस्टोफ श्नेलमैन को निदेशक मंडल में कार्यकारी उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी थी। इसके अलावा सुरक्षा से जुड़े सभी पहलुओं को भी अब दूर किया जा चुका है। उड़ानों के लिए सभी प्रकार की मंजूरियां मिल चुकी हैं।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए टैरिफ दरों को अंतिम रूप देने की तैयारी है। एयरपोर्ट इकोनॉमिक रेगुलेटरी अथॉरिटी (ऐरा) ने हितधारकों (स्टेक होल्डर्स) के साथ बैठक कर ली है। नोएडा एयरपोर्ट के लिए एक एड-हॉक टैरिफ जारी किया था, जिसमें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए 210 से 980 तक यूजर डेवलपमेंट फीस (यूडीएफ) का सुझाव दिया गया था। जल्द ही इस पर भी निर्णय लिया जाएगा। यह शुल्क एक अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक पांच वर्षीय नियंत्रण अवधि के लिए लागू किया जा सकता है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का 28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों शुभारंभ हो चुका है। यहां घरेलू और कार्गो टर्मिनल बनकर तैयार है।

हालांकि, अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल का काम जारी है। प्रथम चरण में एयरपोर्ट को 1334 हेक्टेयर में पूरा किया गया है। इसमें 3900 मीटर लंबा पहला रनवे, यात्री टर्मिनल, एटीसी, कार्गो हब शामिल है। यापल उड़ानें शुरू करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ा रहा है। मई के अंत तक उड़ान शुरू करने का निर्णय लिया गया है। यमुना विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के सीईओ आरके सिंह ने बताया कि नोएडा एयरपोर्ट के लिए एयरोड्रम सिक्योरिटी प्रोग्राम को मंजूरी मिल गई है। अब चार सप्ताह में एयरपोर्ट से उड़ानें शुरू करने की तैयारी है। अगले सप्ताह तक टिकट बुकिंग सेवा भी शुरू होने की उम्मीद है। एयरपोर्ट संचालित करने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है।

अक्टूबर माह में शुरू होगा डियर पार्क, नोएडा सीईओ ने की तैयारियों की समीक्षा

नोएडा। सेक्टर-91 में करीब 30 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित किए जा रहे डियर पार्क की प्रगति को लेकर को नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने समीक्षा बैठक की। बैठक में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी वंदना त्रिपाठी , वन्यजीव विशेषज्ञों और उद्यान विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में डियर पार्क के एंट्री प्लाजा के डिजाइन, हिरण एवं अन्य वन्य जीवों के लिए बनाए जाने वाले इनक्लोजर और पार्क निर्माण से जुड़े विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों को पार्क में आगंतुकों की सुविधा के लिए बैटरी संचालित गोल्फ कार्ट, ईवी चार्जिंग स्टेशन, टॉयलेट, पेयजल व्यवस्था और धूप से बचाव के लिए हट विकसित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही पार्क का उद्घाटन अक्टूबर 2026 तक कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। बैठक में सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी एवं वाइल्ड लाइफ प्लानिंग एक्सपर्ट प्रवीण चंद्र त्यागी सहित महाप्रबंधक (परियोजना), निदेशक उद्यान, उपनिदेशक उद्यान और अन्य अधिकारी मौजूद रहे। प्राधिकरण के अनुसार गौतमबुद्धनगर और एनसीआर क्षेत्र में इस प्रकार का कोई वन्य हिरण पार्क वर्तमान में मौजूद नहीं है।

डियर पार्क विकसित होने से जैव विविधता संरक्षण और वन्य जीव प्रजातियों के संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। अधिकारियों ने बताया कि हिरणों की घटती संख्या को देखते हुए यह पार्क संरक्षण, शिक्षा और मनोरंजन का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। सेंट्रल जू अथॉरिटी (सीजेडए) के दिशा-निर्देशों के अनुसार विकसित किया जा रहा यह डियर पार्क एक स्वतंत्र मिनी चिड़ियाघर इकाई के रूप में कार्य करेगा।

ग्रेटर नोएडा में कांग्रेस की ग्राम चौपाल, महिला आरक्षण और किसानों के मुद्दों पर सरकार को घेरा

नोएडा। जनपद गौतमबुद्धनगर में कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने के उद्देश्य से जेवर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा ग्राम चांचली में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला शामिल हुए। आयोजन ब्लॉक अध्यक्ष सूबेदार सतपाल सिंह के नेतृत्व में किया गया। ग्राम चौपाल में कांग्रेस नेताओं ने संगठन सशक्तिकरण, जनसमस्याओं और महिला आरक्षण के मुद्दे पर केंद्र सरकार की नीतियों को लेकर ग्रामीणों के साथ चर्चा की।

जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी समाज के हर वर्ग को न्याय और सम्मान दिलाने के लिए कार्य करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार महिला आरक्षण जैसे संवेदनशील मुद्दे का राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल कानून बनाने से नहीं, बल्कि उसे ईमानदारी से लागू करने और समान अवसर देने से संभव है। ब्लॉक अध्यक्ष सूबेदार सतपाल सिंह ने कहा कि जेवर क्षेत्र में भूमि अधिग्रहण, एयरपोर्ट प्रभावित किसानों का पुनर्वास, उचित मुआवजा, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी समस्याएं गंभीर बनी हुई हैं, लेकिन सरकार इन मुद्दों पर ध्यान नहीं दे रही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता इन समस्याओं को मजबूती से उठाएंगे। जिला संगठन प्रभारी मुकेश शर्मा ने कहा कि संगठन की मजबूती ही कांग्रेस की असली ताकत है और कार्यकर्ताओं को गांव-गांव जाकर पार्टी की विचारधारा को जनता तक पहुंचाना होगा।

ग्राम चौपाल में ग्रामीणों ने भी अपनी समस्याएं और सुझाव रखे, जिनके समाधान के लिए कांग्रेस नेताओं ने संघर्ष का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में कांग्रेस के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। ग्राम चौपाल में सूबेदार सतपाल सिंह, मुकेश शर्मा, हरेन्द्र शर्मा, सुरेंद्र प्रताप सिंह, धर्म सिंह, श्रुति कुमारी, बिन्नू भाटी, नीरज लोहिया, सतीश शर्मा, रघुराज शर्मा, नरेश शर्मा, रामकिशन एडवोकेट, सुनील प्रधान, अजय अत्तरी, बिजेन्द्र छोंकर, बृजेश छोंकर, रंजीत सिंह, जादूगर खान, पंकज छोंकर, हनी सोम, ऐरन कुमार, दुष्यंत, अजीत चौहान, नरेश आदि लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की हुई बैठक

नोएडा । राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशों के अनुपालन में 9 मई को जनपद गौतमबुद्धनगर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन मुख्यालय और तहसील स्तर पर किया जाएगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों और सफल आयोजन को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव शिवानी रावत की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि अधिक से अधिक वादों को चिन्हित किया जाए तथा संबंधित पक्षकारों को नोटिस और सम्मन समय से भेजे जाएं, ताकि ज्यादा से ज्यादा मामलों का निस्तारण लोक अदालत के माध्यम से हो सके। इसके साथ ही राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया गया। बैठक में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवानी रावत के साथ सहायक पुलिस उपायुक्त यातायात शकील मोहम्मद, जिला अग्रणी प्रबंधक राजेश कटारिया, बीएसएनएल के प्रशासनिक अधिकारी प्रमोद कुमार, राजस्व विभाग के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अनुराग सारस्वत तथा एनपीसीएल के सीनियर मैनेजर अमित चौधरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रमिकों की समस्याएं सुनेंगे कॉल सेंटर्स, हेल्पलाइन जारी

नोएडा। औद्योगिक क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों और उद्यमियों की श्रम संबंधी समस्याएं सुनने के लिए जिले में तीन नए कॉल सेंटर्स की शुरुआत की गई है। इसके साथ ही अब चार हेल्पलाइन नंबर्स सक्रिय हो चुके हैं। इससे उनके लिए न सिर्फ शिकायतें दर्ज कराना आसान होगा समाधान भी तेजी से मिलेगा। यह पहल मौजूदा औद्योगिक परिस्थितियों को देखते हुए की गई है, जहां बड़ी संख्या में श्रमिक विभिन्न कंपनियों और फैक्ट्रियों में काम करते हैं। सहायक श्रम आयुक्त सुयश पाण्डेय ने बताया कि अक्सर उन्हें वेतन, कार्य परिस्थितियों, अवकाश या अन्य श्रम कानूनों से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में अब वे सुबह 9 से लेकर शाम 7 बजे तक अपनी समस्याएं हेल्पलाइन नंबर 0120-4126892, 8796321216, 8796311216 और 8796355216 पर दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा विभाग की ईमेल आईडी complaint.dlcnoida@gmail.com पर भी शिकायत भेजने की सुविधा उपलब्ध है।

नोएडा में जनगणना के लिए प्रशिक्षण शुरू

नोएडा। घर-घर जाकर जनगणनना 22 मई से शुरू होगी। इससे पहले अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने का काम शुरू हो गया है। इसी क्रम में बुधवार को शहर के पांच स्कूलों में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण से अनुपस्थित कर्मचारियों के बारे में विभागाध्यक्ष को जानकारी दे दी गई है। अब इन पर एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। जनगणना के काम में प्राधिकरण के करीब 1200 कर्मचारी लगाए गए हैं।

प्राधिकरण से जनगणना अधिकारी के रूप में एसीईओ वंदना त्रिपाठी और चार्ज अधिकारी ओएसडी इंदु प्रकाश को बनाया गया है। बुधवार को शहर के कैंब्रिज, कोठारी, रामाज्ञा, श्री चैतन्य सहित अन्य स्कूलों में प्रशिक्षण दिया गया।चार्ज अधिकारी इंदु प्रकाश ने बताया कि नोएडा क्षेत्र में प्राधिकरण के अलावा अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मिलाकर 2749 की ड्यूटी लगाई गई है। इनमें प्रगणक यानि गणना करने वाले कर्मचारी व सुपरवाइजर हैं। क्षेत्र की मैपिंग का 100 प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया है।

नोएडा क्षेत्र के 13 स्कूल प्रशिक्षण के लिए चिन्हित किए गए हैं। अभी 2 मई तक प्रशिक्षण का काम चलेगा। चार्ज अधिकारी ने बताया कि 22 मई से घर-घर जाकर गणना का काम शुरू हो जाएगा। इससे पहले 7 मई से लोग एचएलओ नामक ऐप डाउनलोड कर उसको भरना शुरू कर सकते हैं। जनगणना शुरू होते समय घर के मुख्य सदस्य से 33 सवाल पूछे जाएंगे। यह अभियान 22 मई से 20 जून तक चलेगा। नोएडा में 150 से 180 घर यानि 800 से 1 हजार जनसंख्या के हिसाब से 2121 ब्लॉक बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि मुख्य रूप से जनगणना का काम फरवरी 2027 से शुरू होगा।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत एचपीसीएल के 808 उपभोक्ताओं का बिजली बिल हुआ शून्य

नोएडा। घर की छत पर सोलर पैनल लगाने से नोएडा पावर कंपनी लिमिटेड (एनपीसीएल) के 808 उपभोक्ताओं का बिजली बिल शून्य हो गया है। इससे आर्थिक लाभ होने के साथ पर्यावरण को भी फायदा हुआ है। यह बदलाव पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत रूफटॉप सोलर अपनाने और एनपीसीएल के सहयोग से संभव हुआ है,जो स्वच्छ, किफायती और आत्मनिर्भर ऊर्जा की दिशा में एक बड़ा कदम है।

विभाग के अनुसार मार्च 2026 तक 1162 से अधिक लोग सोलर सिस्टम लगा चुके हैं। सेक्टर सिग्मा-1 में रहने वाले लाभार्थी श्यामल दत्ता बताते हैं कि पीएम सूर्य घर योजना के तहत तीन किलोवाट पावर सोलर पैनल लगाने से काफी फायदा हुआ है। रेखा ने बताया कि पिछले साल अप्रैल से मेरा उत्पादन मेरी खपत से ज्यादा रहा है, और अब मेरा बिजली बिल सिर्फ निश्चित मासिक शुल्क यानी फिक्स्ड चार्ज तक सीमित है। वहीं एनएसजी सोसाइटी में रहने वाले प्रज्ञा शाहिन का कहना है कि जून 2024 में 10 किलोवाट का सोलर सिस्टम लगाने के बाद अब मुझे बिजली का बिल नहीं देना पड़ता। पहले बिल बहुत ज्यादा आता था।

एनपीसीएल के प्रवक्ता मनोज झा ने बताया कि सोलर पैनल अपनाने से बिजली उपयोग का तरीका बदल रहा है। मार्च 2026 तक 1162 से अधिक घरों में सोलर सिस्टम लग चुके हैं। इसमें से 800 से ज्यादा उपभोक्ता कम से कम एक बिलिंग चक्र में शून्य ऊर्जा शुल्क का अनुभव कर चुके हैं।

दिल्ली को मिला नया महापौर

प्रवेश वाही की बड़ी जीत, मोनिका पंत उपमहापौर निर्विरोध निर्वाचित

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम को बुधवार को नया महापौर मिल गया। 29 अप्रैल को आयोजित महापौर चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी प्रवेश वाही ने निर्णायक जीत दर्ज की। मतगणना पूरी होने के बाद परिणाम घोषित किया गया, जिसमें वाही को स्पष्ट बहुमत मिला। आम आदमी पार्टी के पार्षदों के सदन से अनुपस्थित रहने के कारण मुकाबला एकतरफा हो गया।

मतदान से पहले ही प्रवेश वाही की जीत लगभग तय मानी जा रही थी, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी के पास आवश्यक बहुमत से अधिक समर्थन मौजूद था। कुल 165 मत पड़े, जिनमें से भारतीय जनता पार्टी को 156 वोट प्राप्त हुए, जबकि कांग्रेस को केवल 9 मत मिले। महापौर पद पर निर्वाचित होने के बाद प्रवेश वाही ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नगर निगम में सफाई व्यवस्था को प्राथमिकता दी जाएगी और शहर को

स्वच्छ बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। उपमहापौर पद के चुनाव में भी भारतीय जनता पार्टी को सफलता मिली। कांग्रेस प्रत्याशी द्वारा नाम वापस लेने के बाद मोनिका पंत निर्विरोध उपमहापौर चुनी गईं। इससे निगम में पार्टी की स्थिति और मजबूत हो गई है। महापौर चुनाव में कुल 250 पार्षदों के साथ-साथ 7 लोकसभा सांसद, 3 राज्यसभा सदस्य और 14 विधानसभा से मनोनीत विधायकों ने मतदान में भाग लिया। बहुमत का आंकड़ा 137 निर्धारित था, जिसे भारतीय जनता पार्टी ने आसानी से पार कर लिया। यदि दलवार संख्याबल की बात करें तो भारतीय जनता पार्टी के पास 142 सदस्य थे, जिनमें पार्षद, सांसद और विधायक शामिल हैं। आम आदमी पार्टी के पास 105 सदस्य थे, जबकि कांग्रेस के पास केवल 9 पार्षद थे। हालांकि आम आदमी पार्टी ने चुनाव प्रक्रिया से दूरी बनाए रखी और मतदान में हिस्सा नहीं लिया।

प्रवेश वाही का राजनीतिक सफर भी उल्लेखनीय रहा है। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत विश्व हिंदू परिषद से की थी। इसके बाद वह पार्टी संगठन में विभिन्न पदों पर कार्यरत रहे। वर्ष 2007 में पहली बार पार्षद निर्वाचित हुए और इसके बाद 2012 तथा 2022 में भी जीत हासिल की। निगम में वह निर्माण समिति और जोन अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी कार्य कर चुके हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस चुनाव परिणाम से दिल्ली नगर निगम में भारतीय जनता पार्टी की पकड़ और मजबूत होगी तथा आने वाले समय में निगम की नीतियों और कार्यशैली पर इसका प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देगा।

खराब मौसम से प्रभावित किसानों को राहत

70 फीसदी तक चमक खो चुका गेहूं भी खरीदेगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने खराब मौसम से प्रभावित गेहूं उत्पादक किसानों को बड़ी राहत दी है। सरकार ने रबी विपणन सत्र 2026-27 के लिए गेहूं खरीद के गुणवत्ता मानकों में विशेष छूट देने का फैसला किया है। अब 70 फीसदी तक चमक खो चुका (लस्टर लॉस) गेहूं भी सरकारी एजेंसियां खरीद सकेंगी। इसके साथ ही सिकुड़े और टूटे दानों की सीमा भी बढ़ाकर 15 फीसदी कर दी गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को कहा कि इस वर्ष प्रतिकूल मौसम के कारण गेहूं की फसल की गुणवत्ता प्रभावित हुई है, जिससे किसानों को अपनी उपज औने-पौने दाम पर बेचने की नौबत आ सकती थी। किसानों को इस नुकसान से बचाने के लिए दिल्ली सरकार ने केंद्र से गुणवत्ता मानकों में छूट देने का अनुरोध किया था, जिसे मंजूरी मिल गई है। यह छूट दिल्ली के सभी जिलों में रबी विपणन सत्र 2026-27 के दौरान

लागू रहेगी। मुख्यमंत्री के अनुसार संशोधित मानकों के तहत अब मौसम की मार झेल चुकी फसल भी सरकारी खरीद के दायरे में आ सकेगी। हालांकि गुणवत्ता बनाए रखने के लिए यह शर्त रखी गई है कि टूटे और हल्के टूटे दानों की संयुक्त मात्रा छह फीसदी से अधिक नहीं होनी चाहिए। रेखा गुप्ता ने बताया कि विशेष छूट के तहत खरीदे गए गेहूं को सामान्य स्टॉक से अलग रखा जाएगा। इसका पृथक भंडारण होगा और पूरा रिकॉर्ड अलग से रखा जाएगा, ताकि पारदर्शिता बनी रहे। ऐसे गेहूं का उपयोग प्राथमिकता के आधार पर पहले किया जाएगा और इसे लंबे समय तक भंडारित नहीं रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस श्रेणी के गेहूं का उपयोग केवल दिल्ली के भीतर ही किया जाएगा, जिससे स्थानीय खाद्य जरूरतों की पूर्ति सुनिश्चित हो सके। यदि भंडारण के दौरान गेहूं की गुणवत्ता में गिरावट आती है तो इसकी जिम्मेदारी दिल्ली सरकार की होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों की मेहनत का उचित मूल्य दिलाने और उन्हें आर्थिक नुकसान से बचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस फैसले से प्रभावित किसानों को सीधा लाभ मिलेगा और उन्हें बाजार में कम कीमत पर फसल बेचने की मजबूरी नहीं होगी। सरकार ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी, जिम्मेदारीपूर्ण और समयबद्ध तरीके से लागू किया जाए, ताकि राहत का लाभ समय पर किसानों तक पहुंच सके।

अवैध संबंध के शक में पत्नी के कथित प्रेमी की गला रेतकर हत्या

थाने पहुंचकर आरोपित पति ने किया सरेंडर

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के शालीमार बाग इलाके में अवैध संबंध के शक में एक व्यक्ति ने पत्नी के कथित प्रेमी की निर्मम हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपित खुद थाने पहुंचा और पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपित के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उत्तर पश्चिम जिले की पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बुधवार को बताया कि मंगलवार शाम करीब 4:20 बजे इंदिरा कॉलोनी निवासी वीरेंद्र (35) अचानक शालीमार बाग थाने पहुंचा और ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों को बताया कि उसने अपने किरायेदार कन्हैया (29) की हत्या कर दी है। आरोपित के इस खुलासे से पुलिसकर्मी भी हैरान रह गए। इसके बाद पुलिस टीम तुरंत आरोपित को साथ लेकर इंदिरा कॉलोनी स्थित झुग्गी नंबर टी-210 पहुंची। मौके पर पहुंचने पर पुलिस ने देखा कि कन्हैया का शव झुग्गी के

अंदर बिस्तर पर पड़ा था। उसका गला तेजधार हथियार से रेता गया था और शरीर पर चाकू के कई वार के निशान थे। पुलिस ने मौके से हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद किया। आरोपित के कपड़ों पर खून के धब्बे मिले, जिन्हें जब्त कर लिया गया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि वीरेंद्र को लंबे समय से शक था कि उसकी पत्नी और कन्हैया के बीच अवैध संबंध हैं। कन्हैया आरोपित का किरायेदार था और उसी की झुग्गी में रहता था। इसी शक को लेकर दोनों के बीच पहले भी कई बार विवाद हुआ था। मंगलवार को इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई, जिसके बाद गुस्से में आकर वीरेंद्र ने कन्हैया पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया और उसका गला रेत दिया। वारदात के बाद आरोपित सीधे थाने पहुंचा और पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी कब्जे में ली है। शुरुआती जांच में फुटेज से आरोपित की घटनास्थल पर मौजूदगी की पुष्टि हुई है। घटना की सूचना मिलते ही क्राइम टीम, एफएसएल मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। शव को पोस्टमार्टम के लिए बाबू जगजीवन राम अस्पताल के शवगृह में भेजा गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपित से पूछताछ की जा रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि हत्या पूरी योजना के तहत की गई या अचानक गुस्से में वारदात को अंजाम दिया गया। फिलहाल शालीमार बाग थाना पुलिस संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है।

अंतरराष्ट्रीय आर्म्स सिंडिकेट का भंडाफोड़ कर नौ दबोचे

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने उत्तर भारत में सक्रिय एक बड़े अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए नौ को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि यह सिंडिकेट पाकिस्तान से नेपाल सीमा के रास्ते विदेशी हथियार भारत में मंगाकर दिल्ली-एनसीआर और उप्र के अपराधियों तक पहुंचाता था। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 23 अत्याधुनिक हथियार, जिनमें विदेशी सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल शामिल हैं, तथा 92 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने इनसे 18 विदेशी/अत्याधुनिक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, 2 देशी शॉटगन, 3 देशी कट्टे और 6 अतिरिक्त मैगजीन बरामद की है।

स्पेशल सेल के संयुक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद कुशवाह ने बुधवार को बताया कि इस पूरे नेटवर्क का संचालन फरार अपराधी शाहबाज अंसारी और उसके चाचा रेहान अंसारी कर रहे थे। शाहबाज राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के एक मामले में पैरोल जंपर है, जबकि रेहान अंसारी पहले से स्पेशल सेल के एक मामले में उद्घोषित अपराधी घोषित है। पुलिस के अनुसार पिछले करीब दो सप्ताह से स्पेशल सेल की ईस्टर्न रेंज टीम इस सिंडिकेट की गतिविधियों पर नजर रख रही थी। तकनीकी निगरानी और खुफिया इनपुट के आधार पर दिल्ली व उत्तर प्रदेश में सिलसिलेवार छापेमारी की गई, जिसके बाद इस नेटवर्क की कई परतें खुलती चली गईं।

14 अप्रैल को उस्मानपुर से फर्दीन नामक आरोपित को पकड़ा गया, जिसके पास से एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल और नौ कारतूस मिले। पूछताछ में उसने बताया कि हथियार उसे वसीम मलिक के नेटवर्क से मिलते हैं। इसके बाद शास्त्री पार्क से वसीक को गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से दो देशी शॉटगन, एक देसी कट्टा, 42 कारतूस और छह मैगजीन बरामद हुईं। जांच आगे बढ़ी तो सामने आया कि इस नेटवर्क में रोहिणी जेल में बंद वसीम मलिक भी सक्रिय भूमिका निभा रहा था। उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर पूछताछ की गई। उसके खुलासे पर पुलिस ने खुर्जा से अमन उर्फ अभिषेक को पकड़ा, जिसके पास से दो सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, दो देसी कट्टे और दो कारतूस बरामद किए गए। इसके बाद लोनी से आदिल को पकड़ा गया, जिसके मोबाइल में हथियारों की खरीद-फरोख्त से जुड़े चैट रिकॉर्ड मिले। 20 अप्रैल को जौनपुर निवासी मोहम्मद अहमद की गिरफ्तारी इस मामले में बड़ी सफलता साबित हुई। उसके कब्जे से 12 सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, 39 कारतूस और हथियारों की मरम्मत व मॉडिफिकेशन के उपकरण मिले।

विदेशी पिस्टल सप्लाई करने वाले भी गिरफ्तार

जांच में खुलासा हुआ कि दिल्ली-एनसीआर में विदेशी हथियारों की सप्लाई का जिम्मा शाहबाज अंसारी के रिश्तेदार राहिल और इमरान संभालते थे। दोनों को 23 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया। वहीं अहमद के खुलासे पर आजमगढ़ निवासी विशाल को पकड़ा गया, जिसने पांच विदेशी पिस्टल लेने की बात कबूल की। उसके पास से तीन विदेशी सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल बरामद हुईं।

पाकिस्तान से नेपाल बॉर्डर के जरिए आती थीं खेप

स्पेशल सेल के अनुसार यह सिंडिकेट पाकिस्तान से विदेशी हथियारों की खेप नेपाल सीमा के रास्ते भारत में मंगाता था। इसके बाद हथियारों को अलग-अलग चैनलों के जरिए दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वांचल के गैंगों तक पहुंचाया जाता था। आरोपित एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप के जरिए संपर्क में रहते थे ताकि पुलिस की निगरानी से बच सकें। गिरफ्तार आरोपितों में कई ऐसे हैं जिन पर हत्या, लूट, गैंगस्टर एक्ट, आर्म्स एक्ट और अन्य गंभीर धाराओं के दर्जनों मामले पहले से दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक नेटवर्क का मुख्य हैंडलर शाहबाज अंसारी फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश में कई राज्यों में छापेमारी की जा रही है।

अवैध शराब तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, पुलिस मुठभेड़ के बाद 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को उस समय दबोचा गया जब उन्होंने पुलिस टीम को देखकर भागने की कोशिश की और सरकारी वाहन को टक्कर मार दी। पुलिस ने उनके कब्जे से 17 पेटियां अवैध शराब और एक कार बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नीरज (24), पिंटू (25) और बृजेश (22) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार नीरज और पिंटू पहले भी आबकारी अधिनियम के मामलों में संलिप्त रह चुके हैं, जबकि बृजेश पहली बार अपराध में शामिल पाया गया है।नॉर्थ वेस्ट जिले की डीसीपी आकांक्षा यादव ने बताया कि एडिशनल डीसीपी सिकंदर सिंह की देखरेख में

बुधवार सुबह करीब 5 बजे थाना केशव पुरम की टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान बी-4 केशव पुरम स्थित हनुमान मंदिर के पास एक संदिग्ध होंडा सिटी कार दिखाई दी। पुलिस ने जब कार को रुकने का इशारा किया तो चालक ने वाहन तेज गति से भगाने का प्रयास किया और पुलिस की स्कॉर्पियो गाड़ी को टक्कर मार दी।इसके बाद पुलिस टीम ने कार का पीछा किया और चांदनी पिकेट रेड लाइट के पास उसे रोक लिया। मौके से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। एक आरोपी भागने की कोशिश कर रहा था, जिसे हेड कांस्टेबल दीपक ने पीछा कर पकड़ लिया। इस दौरान हेड कांस्टेबल दीपक को चोटें भी आईं।कार की तलाशी लेने पर 17 पेटियां अवैध शराब बरामद हुईं, जिनमें कुल 850 क्वार्टर बोतलें थीं। इन बोतलों पर "FOR SALE IN HARYANA ONLY" अंकित था। पुलिस ने शराब और कार को जब्त कर लिया है।इस मामले में थाना केशव पुरम में एफआईआर संख्या 139/26 दर्ज कर दिल्ली आबकारी अधिनियम और बीएनएस की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पुलिस अब गिरोह के आगे-पीछे जुड़े नेटवर्क की जांच कर रही है।

इंदरपुरी में 70 लाख की दिनदहाड़े लूट का खुलासा, चार गिरफ्तार

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के इंदरपुरी इलाके में 70 लाख रुपये की दिनदहाड़े हुई लूट का पुलिस ने खुलासा करते हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 53.40 लाख रुपये नकद और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद की है। जांच में सामने आया कि लूट की साजिश कंपनी के ही एक कर्मचारी ने रची थी, जिसने नकदी ले जाने की सूचना अपने साथियों को दी थी।

पुलिस के अनुसार 31 मार्च 2026 को दोपहर करीब 3:30 बजे कृषि कुंज के पास दो कर्मचारी 70 लाख रुपये नकद लेकर जा रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार तीन बदमाशों ने उन्हें रोककर नकदी से भरा बैग लूट लिया और फरार हो गए। शिकायत मिलने पर इंदरपुरी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में पुलिस को घटना संदिग्ध लगी क्योंकि आरोपितों को नकदी के मूवमेंट और समय की सटीक

जानकारी थी। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाली और तकनीकी जांच शुरू की। जांच के दौरान खुलासा हुआ कि शिकायतकर्ता के कर्मचारी विकास ने ही अपने साथियों मोहम्मद कैफ, ऋषि और सौरभ उर्फ बच्चा के साथ मिलकर लूट की साजिश रची थी।

पश्चिमी जिले के पुलिस उपायुक्त दराडे शरद भास्कर ने बुधवार को बताया कि पुलिस टीम ने कई दिनों तक दिल्ली, हरियाणा और उप्र के विभिन्न इलाकों में छापेमारी कर चारों आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के बाद उनके कब्जे से लूटी गई रकम में से 53.40 लाख रुपये बरामद किए गए। साथ ही वारदात में प्रयुक्त बाइक भी जब्त कर ली गई।

पुलिस उपायुक्त के अनुसार गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मोहम्मद कैफ (25), ऋषि यादव (22), सौरभ उर्फ बच्चा (23) और विकास (22) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार विकास निजी नौकरी करता था और उसे कैश मूवमेंट की पूरी जानकारी थी। उसने यह सूचना अपने साथियों को देकर वारदात को अंजाम दिलाया। वहीं पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपित ऋषि यादव और सौरभ के खिलाफ पहले भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। ऋषि पर रणहोला थाने में पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज है, जबकि सौरभ के खिलाफ आर्म्स एक्ट का केस दर्ज है।

भगोड़े बदमाश को पुलिस ने दबोचा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने वर्ष 2018 के आबकारी अधिनियम के एक मामले में फरार चल रहे भगोड़े को गिरफ्तार किया है। आरोपित करीब एक वर्ष से गिरफ्तारी से बचता फिर रहा था और अदालत द्वारा उसे भगोड़ा घोषित किया जा चुका था। पुलिस ने उसे मदनपुर खादर इलाके से दबोचा है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान भोगल के बाजार लेन निवासी राजू कुमार (32) के रूप में हुई है। वह हजरत निजामुद्दीन थाने में दर्ज आबकारी अधिनियम के मामले में वांछित था। पुलिस के अनुसार आरोपित को 13 जून 2025 को अदालत ने भगोड़ा घोषित किया था, क्योंकि जमानत मिलने के बाद वह लगातार अदालत में पेश नहीं हो रहा था। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त संजीव यादव ने बुधवार को बताया कि 30 अक्टूबर 2018 को हजरत निजामुद्दीन थाना पुलिस ने आरोपित की महिंद्रा बोलेरो से 60 कार्टन अवैध शराब बरामद की थी। इस मामले में आबकारी अधिनियम की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार किया गया था। वारदात में प्रयुक्त वाहन भी जब्त कर लिया गया था। पुलिस उपायुक्त के अनुसार

जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया और मुकदमे की सुनवाई शुरू हुई। इस दौरान आरोपित को जमानत मिल गई, लेकिन बाद में उसने अदालत में पेश होना बंद कर दिया। लगातार गैरहाजिर रहने पर अदालत ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था। पुलिस अधिकारी के अनुसार क्राइम ब्रांच की सेंट्रल रेंज टीम को हाल ही में सूचना मिली थी कि आरोपित मदनपुर खादर क्षेत्र में छिपा हुआ है। इसके बाद इंस्पेक्टर वीर सिंह के नेतृत्व में टीम ने तकनीकी निगरानी और मुखबिर तंत्र की मदद से उसकी लोकेशन ट्रैक की। योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 28 अप्रैल को आरोपित को दबोच लिया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपित ने कम उम्र में पढ़ाई छोड़ दी थी और इसके बाद भोगल इलाके में अवैध शराब बेचने लगा। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत पहले से छह मामले दर्ज हैं। पुलिस का दावा है कि फरार रहने के दौरान भी वह गुपचुप तरीके से शराब की अवैध बिक्री कर रहा था।

विदेश में नौकरी का झांसा देने वाले गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले अंतरराज्यीय फर्जी वीजा गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरोह रूस, तुर्की और अजरबैजान में मोटी सैलरी वाली नौकरी का झांसा देकर लोगों से लाखों रुपये ऐंठता था।

पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से पांच पीड़ितों के मूल पासपोर्ट, सात मोबाइल फोन, नकदी और कई फर्जी पहचान पत्र बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान बिहार के सिवान निवासी सलाउद्दीन मंसूरी उर्फ हैदर खान, उत्तर प्रदेश के कुशीनगर निवासी कौसर और गाजियाबाद निवासी मोहम्मद शहजाद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार तीनों एक संगठित गिरोह के तौर पर काम कर रहे थे और अब तक सैकड़ों लोगों को निशाना बना चुके हैं। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार ने बुधवार को बताया कि क्राइम ब्रांच की टीम को

सूचना मिली थी कि एक गिरोह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विदेश में नौकरी के विज्ञापन देकर लोगों से ठगी कर रहा है। इसके बाद इंस्पेक्टर संजय कौशिक की टीम ने तकनीकी निगरानी और फील्ड जांच के आधार पर आरोपितों की गतिविधियों पर नजर रखी। पुख्ता सूचना मिलने पर पीतमपुरा के पास छापेमारी कर तीनों को दबोच लिया गया। जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपित सलाउद्दीन खुद को कोलकाता की फर्जी कंपनी 'सबा एंटरप्राइजेज' का एचआर मैनेजर बताकर पीड़ितों से संपर्क करता था। सोशल मीडिया पर रूस, तुर्की और अजरबैजान में नौकरी के आकर्षक विज्ञापन पोस्ट किए जाते थे। विज्ञापन पर क्लिक करते ही आवेदकों को व्हाट्सएप और फेसबुक बिजनेस अकाउंट से जोड़ा जाता था, जहां उनसे पासपोर्ट और अन्य दस्तावेज मांगे जाते थे। आरोपित पासपोर्ट की स्कैन कॉपी लेकर उस पर फर्जी वीजा स्टांप तैयार करते थे और नकली वीजा, फर्जी जॉब लेटर तथा अस्थायी या रद्द हवाई टिकट भेजकर भरोसा दिलाते थे कि वीजा प्रक्रिया पूरी हो गई है। इसके लिए ऑनलाइन फर्जी वेरिफिकेशन लिंक भी बनाए गए थे, ताकि दस्तावेज असली प्रतीत हों। पीड़ित जब एयरपोर्ट जाने या यात्रा की तैयारी करते थे तब उन्हें पता चलता था कि उनके असली पासपोर्ट पर कोई वीजा नहीं लगा है और टिकट भी रद्द हो चुके हैं। तब तक आरोपित मोबाइल फोन बंद कर फरार हो जाते थे। पुलिस के मुताबिक गिरोह लगातार ठिकाने बदलकर कोलकाता, गोरखपुर, नोएडा और पटना से ऑपरेट करता था ताकि कानून की पकड़ से बच सके। मुख्य सरगना मोहम्मद मुन्ना फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस ने आरोपितों को अदालत में पेश कर सात दिन की रिमांड पर लिया है और वित्तीय लेनदेन तथा अन्य पीड़ितों की पहचान की जा रही है।

दिल्ली हाई कोर्ट की सुनवाई में अश्लील वीडियो से हड़कंप

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय में बुधवार को ऑनलाइन सुनवाई के दौरान गंभीर सुरक्षा चूक सामने आई, जब अचानक स्क्रीन पर अश्लील वीडियो चलने लगा। इस घटना से अदालत की कार्यवाही बाधित हो गई और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग को तत्काल बंद करना पड़ा। मुख्य न्यायाधीश की पीठ में चल रही सुनवाई के दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में प्रवेश कर लिया और आपत्तिजनक वीडियो तथा ध्वनि प्रसारित करने लगा। जैसे ही यह दृश्य सामने आया, अदालत कक्ष में मौजूद लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई और तुरंत प्रसारण रोक दिया गया। कुछ समय बाद जब सुनवाई पुनः शुरू करने का प्रयास किया गया, तब फिर वही स्थिति उत्पन्न हो गई। दूसरी बार भी अश्लील सामग्री प्रसारित होने के कारण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग को अनिश्चित समय के लिए बंद कर दिया गया। घटना को गंभीर सुरक्षा उल्लंघन मानते हुए न्यायालय प्रशासन ने दिल्ली पुलिस की आईएफएसओ इकाई में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है और दोषी की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

संपादकीय

किसके सिर सजेगा बंगाल का ताज

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के मतदान के बाद सभी की निगाहें चुनावी नतीजों पर टिकी हैं। सभी के मन में यही जिज्ञासा है कि इस बार सत्ता का ताज किसके सिर सजेगा? प्रथम चरण में हुए रिकार्ड मतदान के बाद तृणमूल कांग्रेस और भाजपा अपनी जीत के दावे कर रही हैं। तृणमूल अपने मतदाताओं पर भरोसा जता रही है वहीं भाजपा मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी से उत्साहित है। भाजपा का दावा है कि यह बढ़ोतरी तृणमूल कांग्रेस के सफाए का सबब है। यह विधानसभा चुनाव ममता बनर्जी और उनकी पार्टी के लिए निर्णायक मोड़ साबित होने वाला है, क्योंकि हार से तृणमूल हाशिए पर पहुंच जाएगी। तृणमूल का जनाधार सिर्फ पश्चिम बंगाल तक ही सीमित है। यह और बात है कि गोवा सहित कई राज्यों में तृणमूल पांव पसारने की नाकाम कोशिश कर चुकी है। हार की स्थिति में ममता बनर्जी के राजनीतिक भविष्य पर भी प्रश्नचिन्ह लग सकता है। और यदि तृणमूल के खाते जीत आती है, जिस पर संशय बरकरार है, तो निसंदेह यह माना जाएगा कि पश्चिम बंगाल की जनता उन्हें बतौर मुख्यमंत्री देखना चाहती है। बंगाल की सियासी रुझान कई प्रदेशों से अलग है। सत्ता यहां लंबे समय तक एक ही मार्ग पर चलती है। साल 1977 से 2026 के बीच के पांच दशक के दौरान यहां महज एक बार ही सत्ता परिवर्तन हुआ है। वह भी तब जब 2011 में ममता बनर्जी ने तीन दशकों से अधिक पुरानी वामपंथी सत्ता को तृणमूल के बूते अपदस्थ किया था। जिसके बाद डेढ़ दशक से सत्ता पर ममता बनर्जी ही काबिज हैं। गौरतलब है कि विगत विधानसभा चुनाव में तृणमूल ने 48 फीसदी वोट के साथ 215 सीटों के साथ बंपर जीत हासिल की थी। जो एक तरह से इतिहास रचने जैसा था। चुनावी पंडितों की मानें तो इस बार सत्ता का ताज भाजपा के सिर सजता प्रतीत हो रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि जनता का रुझान भाजपा के पक्ष में मजबूत बनता दिखाई दे रहा है। उनका कहना है कि भाजपा राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभर रही है। दावों और रुझान की बात करें तो पश्चिम बंगाल में भाजपा को जोरदार फायदा और तृणमूल को भारी नुकसान पहुंचता नजर आ रहा है। जिसके अनुसार भाजपा गठबंधन को 134 से 160 सीटें मिलने का अनुमान है और तृणमूल गठबंधन को 130 से 156 सीटें मिलने की संभावना दिखाई दे रही हैं। जबकि कांग्रेस-लेफ्ट गठबंधन का बंगाल से पूरी तरह सफाया होता नजर आ रहा है। निसंदेह आज के मतदान के बाद अब पूरे देश की निगाह पश्चिम बंगाल के चुनाव नतीजों पर टिकी है। हर कोई यह जानने को उत्सुक है किसत्ता परिवर्तन का कुछ संकेत करने वाले साबित होंगे या फिर बंगाल अपने पुराने ढर्रे पर ही चलेगा।

लिहाज़ा 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव और कंक्रीट-आधारित विकास इसके लिए ख़ासकर ज़म्मिेदार हैं। यह कंक्रीट के जंगल दिन में गर्मी को सोखते हैं और रात में इसे छोड़ते हैं। उधर शहरों में होती जा रही पेड़-पौधों की कमी से वातावरण में नमी घटती जा रही है। यही वजह है कि दिल्ली व अहमदाबाद जैसे महानगरों में रातें पूर्व की तुलना में 60% अधिक गर्म होने लगी हैं। शहरों में कंक्रीट, डामर और सीमेंट की पक्की इमारतें सूर्य की गर्मी सोख लेती हैं तथा रात में धीरे-धीरे छोड़ती हैं, जिससे तापमान ग्रामीण क्षेत्रों से 5-10 डिग्री अधिक रहता है। पेड़-पौधों और हरियाली की कमी से वाष्पीकरण घटता है, जो प्राकृतिक शीतलन प्रदान करता। साथ ही वाहनों, एसी और उद्योगों से निकलने वाली गर्मी इसे और भी तीव्र बनाती है। गोया भारतीय शहरों में बढ़ता शहरीकरण बढ़ते तापमान के लिये 60% तक ज़म्मिेदार है। और यही तापमान वृद्धि प्रति दशक 0.2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि करता है। शहरीकरण ने गर्मी में 90% इज़ाफ़ा किया है तथा रात्रिकालीन सतह तापमान लगभग 70-80% तक बढ़ा है।

तपती धरती: कारण और समाधान

-निर्मल रानी-

उत्तर भारत के पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा व प. बंगाल जैसे राज्य इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में हैं। इन राज्यों में कई जगहों पर तापमान 40 डिग्री से लेकर 44 डिग्री तक पहुंच गया है। पिछले दिनों भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा हीटवेव अलर्ट भी जारी किया जा चुका है। मौसम विभाग ने अपनी चेतावनी में लू चलने और तापमान में 4 डिग्री तक बढ़ोतरी होने की संभावना को लेकर लोगों को सचेत किया है। पिछले कुछ वर्षों से लगभग हर साल गर्मी के तापमान में इज़ाफ़ा होता ही जा रहा है। जीवन के लिये एकमात्र ग्रह पृथ्वी गत दो दशकों से ग्लोबल वार्मिंग का निरन्तर प्रभाव झेल रही है। इसके अलावा भी वैज्ञानिकों द्वारा भारत में तेज़ गर्मी के और भी कई कई कारण बताये जा रहे हैं। इन कारणों में ख़ासकर जलवायु परिवर्तन के अलावा हीट डोम और अल नीनो प्रभाव को रेखांकित किया जा रहा है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार उच्च दबाव प्रणाली गर्म हवा को ज़मीन के पास फंसाकर 'ढक्कन' की तरह काम करती है, जिससे तापमान तेजी से बढ़ता है। परिणाम स्वरूप कम्प्रेशन हीटिंग से गर्मी और तीव्र हो जाती है। उधर पहले से हो रहा जलवायु परिवर्तन, सूखी मिट्टी और कम वनस्पति (वृक्ष कटान) इसे बढ़ावा देते हैं। इसी को हीट डोम प्रभाव कहा जाता है।

इसके अतिरिक्त ग्रीनहाउस गैसों से वैश्विक तापमान बढ़ रहा है। इसने हीटवेव की तीव्रता और इसकी अवधि दोनों को ही बढ़ा दिया है। बताया जा रहा है कि 2026 में दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में 92 शहर केवल भारत में हैं। इन गर्म क्षेत्रों में केवल दिन ही नहीं बल्कि यहां की रातें भी गर्म रहती हैं। इसे 'सीवियर वार्म नाइट' कहते हैं। यह स्थिति जलवायु परिवर्तन का ही नतीजा है। साथ ही

इस हीट वेव पर अल नीनो का प्रभाव भी बताया जा रहा है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि 2026 में सुपर अल नीनो की आशंका से रिकॉर्ड गर्मी पड़ना भी संभव है। अल नीनो का प्रभाव ही प्रशांत महासागर में गर्म पानी का दौर हवाओं को कमज़ोर कर भारत में गर्मी और कम मानसून लाता है। इसी के साथ गर्मी को बढ़ने में अनियंत्रित शहरीकरण की भी बड़ी भूमिका है। देश में चारों ओर खेत व जंगल वृक्ष निरन्तर कम होते जा रहे हैं। और शहरीकरण के नाम पर कंक्रीट के जंगल बढ़ते जा रहे हैं।

लिहाज़ा 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव और कंक्रीट-आधारित विकास इसके लिए ख़ासकर ज़म्मिेदार हैं। यह कंक्रीट के जंगल दिन में गर्मी को सोखते हैं और रात में इसे छोड़ते हैं। उधर शहरों में होती जा रही पेड़-पौधों की कमी से वातावरण में नमी घटती जा रही है। यही वजह है कि दिल्ली व अहमदाबाद जैसे महानगरों में रातें पूर्व की तुलना में 60% अधिक गर्म होने लगी हैं। शहरों में कंक्रीट, डामर और सीमेंट की पक्की इमारतें सूर्य की गर्मी सोख लेती हैं तथा रात में धीरे-धीरे छोड़ती हैं, जिससे तापमान ग्रामीण क्षेत्रों से 5-10 डिग्री अधिक रहता है। पेड़-पौधों और हरियाली की कमी से वाष्पीकरण घटता है, जो प्राकृतिक शीतलन प्रदान करता। साथ ही वाहनों, एसी और उद्योगों से निकलने वाली गर्मी इसे और भी तीव्र बनाती है। गोया भारतीय शहरों में बढ़ता शहरीकरण बढ़ते तापमान के लिये 60% तक ज़म्मिेदार है। और यही तापमान वृद्धि प्रति दशक 0.2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि करता है। शहरीकरण ने गर्मी में 90% इज़ाफ़ा किया है तथा रात्रिकालीन सतह तापमान लगभग 70-80% तक बढ़ा है। मिसाल के तौर पर जमशेदपुर में शहरीकरण ने तापमान वृद्धि में 100% योगदान दिया।

ऐसे में सबसे ज्वलंत प्रश्न यही है कि आख़िर तापमान वृद्धि की ज़म्मिेदार हमारी वर्तमान पीढ़ी क्या अपनी आने वाली नस्लों को भी ऐसी ही या इससे भी अधिक तपती पृथ्वी देकर जायेगी या इससे बचने के कुछ उपाय करना चाहेगी? इसके लिये सबसे पहले भारतीय शहरों में हरित आवरण को विस्तार देने की सख़्त ज़रूरत है। हालाँकि इसके लिये अनेक सरकारी योजनाएं व स्थानीय उपाय प्रभावी हैं जोकि शहरी गर्मी कम करने में हमारी सहायता करते हैं। इसके लिये बाक़ायदा कार्य योजना बनाकर तथा वर्षाऋतु के आरंभ से ही सरकारी और नगर निकाय भूमि पर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाये जा सकते हैं। कई राज्य इस दिशा में सक्रियता से काम भी कर रहे हैं। वृक्षारोपण को एक आंदोलन का रूप देने के लिये हर व्यक्ति अपने परिवार के शादी ब्याह, मैरिज एनिवर्सरी, बर्थडे, जन्म मृत्यु बरसी जैसे अवसरों पर वृक्षारोपण कर इन अवसरों को यादगार बनाने के साथ साथ जलवायु को बेहतर बनाने की दिशा में भी अपना क़ीमती योगदान दे सकता है। इसके अलावा हर व्यक्ति जहां ज़मीन कम हो वहां अपने घरों की छतों पर रूफ़ गार्डनिंग कर सकता है और वर्टिकल गार्डन भी लगा सकते हैं। अपने घरों के खुले क्षेत्र में अधिक से अधिक गमले लगाकर भी तापमान को काफ़ी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है तथा ताजी ऑक्सीजन प्राप्त की जा सकती है। ग़ौरतलब है कि कोरोना काल में जब देशभर में अचानक कोरोना प्रभावित लोगों के लिये ऑक्सीजन की कमी पैदा हुई थी उस समय लोगों को हरियाली और वृक्षारोपण की ख़ूब याद आई थी। कई बीमार लोग तो खेतों में पेड़ों के नीचे बैठकर स्वास्थ्य लाभ लेते देखे गये। इस आपदा ने ऑक्सीजन को लेकर लोगों में इतनी जागरूकता बढ़ायी कि उसी समय से गमलों व पौधों की नर्सरी का व्यवसाय कई गुना बढ़ गया।

बहरहाल भविष्य में तापमान वृद्धि से बचने व इसके दीर्घकालिक उपाय करने के साथ साथ तात्कालिक रूप से शरीर पर पड़ने वाले इसके दुष्प्रभाव से बचाव करना भी बेहद ज़रूरी है। इसके लिए सबसे पहले अपने शरीर को डिहाइड्रेशन से बचाना और शरीर को हाइड्रेटेड रखना सबसे ज़रूरी है। इसके लिये बहुत सारा पानी पीना चाहिये और बार बार पीना चाहिए। इसके अलावा नारियल पानी, नींबू पानी, सत्तू व ओआरएस जैसे शीतल पेय भी शरीर के तापमान को नियंत्रित रखने में मददगार होते हैं और डिहाइड्रेशन रोकते हैं। ज़ीरा, धनिया या ख़स मिला ठंडा पानी भी इसके लिये बहुत फ़ायदेमंद है। इसके साथ ही अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से भी बचना चाहिये। इसके साथ ही घरों में पर्दे, सनशेड आदि लगाकर धुप को रोका जा सकता है। रात के समय खिड़कियां खुली रखने, पंखा चलने व आवश्यकता हो तो गीले कपड़े पहनने या ठन्डे पानी से नहाने व पैरों को ठन्डे पानी में भिगोकर रखने से भी प्रचंड गर्मी से राहत पाई जा सकती है। इस मौसम में आहार में भी सावधानियां बरतने की ज़रुरत है। हल्का व पौष्टिक भोजन लेना चाहिये। जंक फ़ूड को तो पूरी तरह नज़रअंदाज़ करना चाहिए। इसप्रकार से धरती के इस बढ़ते तापमान का हम किसी हद तक मुक़ाबला कर सकते हैं।

उच्च शिक्षा में भी 'मार्केट फॉर लेमन्स' का प्रभाव

-डॉ. प्रियंका सौरभ-

भारत में उच्च शिक्षा का तीव्र विस्तार अवसरों के साथ-साथ गंभीर चुनौतियाँ भी लेकर आया है। एक ओर विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और निजी शिक्षण संस्थानों की संख्या तेजी से बढ़ी है, वहीं दूसरी ओर गुणवत्ता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर लगातार प्रश्न उठ रहे हैं। ऐसे समय में अर्थशास्त्री जॉर्ज अकेलॉफ का 'मार्केट फॉर लेमन्स' सिद्धांत अत्यंत प्रासंगिक दिखाई देता है। इस सिद्धांत के अनुसार जब उपभोक्ता को किसी वस्तु की वास्तविक गुणवत्ता की सही जानकारी नहीं होती, तब निम्न गुणवत्ता वाले उत्पाद बाजार पर हावी हो जाते हैं और अच्छे उत्पाद पीछे हट जाते हैं। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थी उपभोक्ता हैं और संस्थान सेवा प्रदाता। जब विद्यार्थियों को संस्थानों की वास्तविक स्थिति, शिक्षकों की गुणवत्ता, रोजगार संभावनाओं, शोध कार्य और आधारभूत सुविधाओं की सही जानकारी नहीं मिलती, तब वे कमज़ोर संस्थानों में प्रवेश लेने को विवश हो जाते हैं।

भारत में उच्च शिक्षा का विस्तार मुख्य रूप से नीतिगत प्रयासों के कारण हुआ है। नई शिक्षा नीति ने उच्च शिक्षा में नामांकन बढ़ाने, दूरस्थ शिक्षा को प्रोत्साहन देने, ऑनलाइन शिक्षण को बढ़ावा देने और निजी निवेश को आकर्षित करने पर बल दिया। इससे शिक्षा तक पहुँच बढ़ी और अधिक विद्यार्थियों को अवसर मिला, परंतु संस्थानों की गुणवत्ता उसी गति से विकसित नहीं हो सकी। अनेक निजी संस्थान आकर्षक विज्ञापन, भव्य परिसर और बड़े-बड़े दावे करके विद्यार्थियों को अपनी ओर खींचते हैं, जबकि वास्तविकता में वहाँ योग्य शिक्षक, शोध वातावरण और रोजगारपरक शिक्षा का अभाव होता है। सरकारी आँकड़े भी अक्सर विलंब से आते हैं या सामान्य लोगों की समझ से परे जटिल रूप में उपलब्ध होते हैं। परिणामस्वरूप विद्यार्थी और अभिभावक सही निर्णय नहीं ले पाते। यही स्थिति निम्न गुणवत्ता वाले शिक्षा बाजार को जन्म देती है।

इसी समस्या को दूर करने के लिए भारत सरकार ने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग व्यवस्था प्रारंभ की। इसका उद्देश्य देश के उच्च शिक्षण संस्थानों का मूल्यांकन निश्चित मानकों के आधार पर करना है। इसमें शिक्षण व्यवस्था, संसाधन, शोध कार्य, स्नातक परिणाम, समावेशन और प्रतिष्ठा जैसे पहलुओं को देखा जाता है। इस व्यवस्था ने पहली बार विद्यार्थियों को एक ऐसा मंच दिया जहाँ वे विभिन्न संस्थानों की तुलनात्मक स्थिति जान सकते हैं। इससे संस्थानों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बढ़ी और अनेक महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों ने शिक्षकों की नियुक्ति, शोध प्रकाशनों, रोजगार सहायता केंद्रों और आधारभूत सुविधाओं में सुधार करना प्रारंभ किया। इस रैंकिंग व्यवस्था की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि उसने उच्च

शिक्षा क्षेत्र में गुणवत्ता के संकेत उपलब्ध कराए। अब विद्यार्थी केवल विज्ञापनों या प्रचार सामग्री पर निर्भर नहीं रहते, बल्कि संस्थान की स्थिति, शोध प्रदर्शन, परीक्षा परिणाम और समावेशन जैसी जानकारियों को देखकर निर्णय ले सकते हैं। इससे सूचना के अभाव की समस्या में कुछ कमी आई है। सरकार के लिए भी यह एक महत्त्वपूर्ण नीति उपकरण सिद्ध हुआ है, जिसके माध्यम से विभिन्न संस्थानों की स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन संभव हुआ है।

फिर भी यह व्यवस्था पूर्ण समाधान नहीं है। इसकी सबसे बड़ी सीमा यह है कि यह काफी हद तक संस्थानों द्वारा स्वयं दिए गए आँकड़ों पर आधारित रहती है। यदि कोई संस्थान गलत या बढ़ा-चढ़ाकर जानकारी दे, तो रैंकिंग की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। दूसरा, शोध कार्य को अधिक महत्व मिलने से वे महाविद्यालय पीछे रह जाते हैं जो मुख्य रूप से शिक्षण पर केंद्रित हैं। तीसरा, ग्रामीण क्षेत्रों या नवस्थापित संस्थानों के लिए बड़े और पुराने शहरी संस्थानों से प्रतिस्पर्धा करना कठिन हो जाता है। चौथा, रैंकिंग वर्ष में एक बार आती है, जबकि विद्यार्थियों को कई बार वास्तविक समय की जानकारी की आवश्यकता होती है। पाँचवाँ, देश के विशाल उच्च शिक्षा ढाँचे की तुलना में सीमित संस्थान ही प्रमुखता से सामने आते हैं, जिससे अनेक संस्थान पारदर्शी मूल्यांकन से बाहर रह जाते हैं। विश्व स्तर पर विभिन्न देशों में विश्वविद्यालयों की रैंकिंग के लिए ऐसे मॉडल अपनाए जाते हैं जिनमें पूर्व छात्रों की संतुष्टि, अंतरराष्ट्रीय पहचान, नियोक्ताओं की राय, शोध प्रभाव और वैश्विक सहयोग जैसे पहलुओं को भी महत्व दिया जाता है। भारत भी अपनी व्यवस्था को अधिक व्यापक और बहुआयामी बनाकर इन अनुभवों से सीख सकता है।

विद्यार्थियों के हितों की रक्षा के लिए कुछ ठोस सुधार आवश्यक हैं। सबसे पहले, संस्थानों द्वारा दिए गए आँकड़ों का स्वतंत्र एजेंसियों से सत्यापन कराया जाए, ताकि गलत जानकारी देने की प्रवृत्ति समाप्त हो। दूसरा, शिक्षण गुणवत्ता, छात्र-शिक्षक अनुपात, रोजगार उपलब्धता और शुल्क के मुकाबले लाभ को अधिक महत्व दिया जाए। तीसरा, केवल क्रम संख्या देने के स्थान पर समूह आधारित श्रेणी व्यवस्था अपनाई जाए, जिससे छोटे और उभरते संस्थानों को भी सम्मानजनक स्थान मिल सके। चौथा, एक केंद्रीकृत डिजिटल मंच विकसित किया जाए जहाँ प्रत्येक संस्थान की अद्यतन जानकारी उपलब्ध हो। पाँचवाँ, राज्य स्तर और क्षेत्रीय स्तर पर भी रैंकिंग तैयार की जाए, ताकि स्थानीय विद्यार्थियों को अपने आसपास बेहतर विकल्प मिल सकें। छठा, विद्यार्थियों और अभिभावकों की प्रतिक्रिया को भी मूल्यांकन प्रक्रिया का हिस्सा बनाया जाए।

भगवान का शयन करना

धर्मकर्म

भगवान सूर्य के मिथुन राशि में आने पर भगवान मधुसूदन की मूर्ति को शयन कराते हैं और तुला राशि में सूर्य के जाने पर भगवान जनार्दन शयन से उठाये जाते हैं। इस अवधि को चातुर्मास कहते हैं। गरुड़ध्वज जगन्नाथ के शयन करने पर चारों वर्णो की विवाह, यज्ञ आदि सभी क्रियाएं सम्पादित नहीं होतीं। यज्ञोपवीतादि संस्कार, विवाह, दीक्षाग्रहण, यज्ञ, ग्रहप्रवेशादि, गोदान, प्रतिष्ठा एवं जितने भी शुभ कर्म है, वे सभी चातुर्मास्य में त्याज्य हैं। भविष्य पुराण, पदमपुराण तथा श्रीमद्भागवत पुराण के अनुसार हरिशयन को योगनिद्रा कहा गया है। संस्कृत साहित्य में हरि शब्द सूर्य, चन्दमा, वायु, विष्णु आदि अनेक अर्थो में प्रयुक्त है। हरिशयन के दृष्टि से देखें तो इन चार मास में बादल और वर्षा के कारण सूर्य-चन्द्रमा का तेज क्षीण हो जाना उनके शयन का ही रूप है। इस समय में पित्त स्वरूप अग्नि की गति शांत हो जाने के कारण शरीरगत शक्ति सो जाती है। आज वैज्ञानिकों की कृपा से संसार को भी यह बात विदित हो गई है कि चातुर्मास्य में (वर्षा ऋतु में) विविध प्रकार के कीटाणु अर्थात सूक्ष्म रोग जन्तु उत्पन्न हो जाते हैं, जल की बहुलता और सूर्य-तेज का भूमि पर अति अल्प प्राप्त होना ही इनका कारण है। धार्मिक शास्त्रों के मतानुसार आषाढ़ शुक्ल पक्ष में एकादशी तिथि को शंखासुर दैत्य मारा गया। अतः उसी दिन से आरम्भ करके भगवान चार मास तक क्षीर समुद्र में शयन करते हैं और कार्तिक शुक्ल एकादशी को जागते हैं। पुराण के अनुसार यह भी कहा गया है कि भगवान हरि ने वामन रूप में दैत्य बलि के यज्ञ में तीन पग दान के रूप में मांगे। भगवान ने पहले पग में संपूर्ण पृथ्वी, आकाश और सभी दिशाओं को ढक लिया। अगले पग में सम्पूर्ण स्वर्ग लोक ले लिया। तीसरे पग में बलि ने अपने आप को समर्पित करते हुए सिर पर पग रखने को कहा। इस प्रकार के दान से भगवान ने प्रसन्न होकर पाताल लोक का अधिपति बना दिया और कहा वर मांगो। बलि ने वर मांगते हुए कहा कि भगवान आप मेरे महल में नित्य रहें। बलि के बंधन में बंधा देख भगवती लक्ष्मीजी ने बलि को भाई बना लिया। और भगवान से कहा इनको वचन से मुक्त कर दो। माना जाता है कि इसी दिन से भगवान विष्णु जी द्वारा वर का पालन करते हुए तीनों देवता 4-4 माह सुतल में निवास करते हैं। विष्णु देवशयनी एकादशी से देव उठनी तक, शिवजी महाशिवरात्रि तक और ब्रह्मा जी शिवरात्रि से देवशयनी एकादशी तक निवास करते हैं।

आज का इतिहास

1598 - अमेरिका में पहली बार थियेटर का आयोजन।
1789 - जॉर्ज वॉशिंगटन सर्वसम्मति से अमेरिका के पहले राष्ट्रपति चुने गए।
1908 - खुदीराम बोस और प्रफुल्ल चाकी ने मुजफ्फरपुर में किंग्सफोर्ड के मजिस्ट्रेट की हत्या करने के लिए बम फेंका, लेकिन दो बेगुनाह बम की चपेट में आकर मारे गए।
1945 - जर्मन तानाशाह हिटलर एवं उसकी पत्नी इवा ब्राउन द्वारा आत्महत्या।
1973 - अमेरिका के राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने देश के राष्ट्रपति के नाते वॉटरगेट कांड की जिम्मेदारी ली हालांकि उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वह निजी तौर पर इसके लिए जिम्मेदार नहीं हैं।
1975 - वियतनाम युद्ध का अंत हुआ। तीन दिन के सत्तारूढ़ राष्ट्रपति दुओंग वैन मिन्ह ने अपनी सेनाओं से समर्पण करने और उत्तरी वियतनामियों से हमले रोकने को कहा।
1985 - अमेरिकी पर्वतारोही रिचर्ड डिक बास (55 वर्ष) माउंट एवरेस्ट पर सर्वाधिक उम्र में चढ़ने वाले व्यक्ति बने।
1991 - बांग्लादेश में भीषण चक्रवात में सवा लाख से अधिक लोगों की मौत और 90 लाख लोग बेघर।
1991 - अंडमान द्वीप समूह के एक निर्जन द्वीप पर एक सुप्त पड़े ज्वालामुखी में विस्फोट। शताब्दी में पहली बार ऐसा हुआ।
1993 - जर्मनी के हैम्बर्ग शहर में एक मैच के दौरान तत्कालीन वर्ल्ड नंबर एक टेनिस खिलाड़ी मोनिका सेलेज को चाकू मारकर घायल किया गया।
1999 - लेविंस्की-क्लिंटन मामले को दुनिया के सामने लाने वाले पत्रकार माइकल इशिकॉफ को अंग्रेजी साप्ताहिक पत्रिका न्यूज वीक का 'नेशनल मैंगनीज अवार्ड' प्रदान किया गया।
1999 - हिन्द महासागर के द्वीप कोमोरोस में सेना द्वारा सत्ता पर कब्जा।
2000 - आतंकवाद से निपटने के लिए सहयोग के आहवान के साथ जी
2000 - -77 शिखर सम्मेलन हवाना में सम्पन्न।
2001 - फिलीपींस में एरुत्रादा समर्थकों द्वारा तख्ता पलट का प्रयास।
2002 - पाकिस्तान में राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ़ के अगले 5 वर्षों के कार्यकाल में वृद्धि के लिए जनमत संग्रह सम्पन्न।

दुनिया में सैन्य खर्च बढ़ा, भारत पांचवें स्थान पर

-सुनील कुमार महला-

दुनिया के देश अपने रक्षा बजट या यूं कहें कि सैन्य खर्च में अभूतपूर्व बढ़ोत्तरी कर रहे हैं। वास्तव में, आज के समय में दुनिया भर में सैन्य खर्च कई कारणों से तेजी से बढ़ रहा है। प्रमुख कारणों की यदि हम यहां पर बात करें तो भू-राजनीतिक तनाव और युद्ध(रूस-यूक्रेन युद्ध), इजरायल हमास युद्ध, दक्षिण चीन सागर जैसे संघर्षों ने देशों को सुरक्षा पर अधिक खर्च करने के लिए प्रेरित किया है। पड़ोसी देशों की प्रतिस्पर्धा (जैसे कि भारत, चीन और पाकिस्तान जैसे देशों की आपसी प्रतिस्पर्धा) भी इसके लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार है। ये देश अपने सामरिक संतुलन बनाए रखने के क्रम में अपने सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी कर रहे हैं। सरल शब्दों में कहें तो जब एक देश हथियार खरीदता है, तो पड़ोसी देश भी अपनी सेना मजबूत करने लगते हैं। इसे हथियारों की दौड़ कहा जाता है। नई तकनीक और आधुनिक हथियार भी एक प्रमुख कारण बनकर उभरा है। पिछले कुछ समय से ड्रोन, साइबर सुरक्षा, मिसाइल रक्षा प्रणाली, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित हथियार, अंतरिक्ष रक्षा आदि पर भारी निवेश हो रहा है, जैसा कि आधुनिक युद्ध अब केवल सैनिकों से नहीं, तकनीक से भी लड़ा जाता है। आज आतंकवाद और आंतरिक सुरक्षा खतरों जैसे घुसपैठ, नशीले पदार्थों की तस्करी आदि के कारण भी दुनिया के विभिन्न देशों ने अपने सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी की है। वैश्विक शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा ने भी सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी को जन्म दिया है। सच तो यह है कि आज के समय में चीन, अमेरिका और रूस जैसे शक्तिशाली देश अपनी सैन्य शक्ति दिखाकर विश्व राजनीति में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहते हैं। इतना ही नहीं, आज हथियार उद्योग कई देशों की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा है। रक्षा सौदों से रोजगार, निर्यात और तकनीकी विकास भी जुड़ा होता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि वर्तमान समय में सैन्य खर्च बढ़ना केवल युद्ध की तैयारी नहीं, बल्कि सुरक्षा, शक्ति संतुलन, तकनीकी बढ़त और राजनीतिक प्रभाव का भी संकेत है। लेकिन अत्यधिक सैन्य खर्च से शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास क्षेत्रों पर दबाव भी बढ़ सकता है।

इस क्रम में हाल ही में एक प्रतिष्ठित न्यूज एजेंसी के हवाले से यह खबरें आईं हैं कि भारत का रक्षा खर्च 8.9% बढ़ा, और भारत 5वां सबसे अधिक सैन्य खर्च वाला देश बन गया है। दरअसल, हाल ही में आई सिपरी की रिपोर्ट के अनुसार यह जानकारी सामने आई है कि वैश्विक सैन्य खर्च 2, 887 अरब डॉलर पार कर चुका है और भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश बन गया है। रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2025 में भारत का सैन्य खर्च 8.9 प्रतिशत बढ़कर 92.1 अरब डॉलर हो गया। गौरतलब है कि स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में वैश्विक सैन्य खर्च 2, 887 अरब डॉलर तक पहुंच गया। बड़ी बात यह है कि यह लगातार 11वां साल है, जब वैश्विक सैन्य खर्च में वृद्धि दर्ज की गई है। पाठकों को बताता चलूं कि सबसे ज्यादा खर्च करने वाले पांच देशों में अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत शामिल हैं, जिनका वैश्विक खर्च में कुल योगदान 58 प्रतिशत है। सरल शब्दों में कहें तो सेना पर सर्वाधिक खर्च करने वाले देशों में अमेरिका, चीन, रूस और जर्मनी आज दुनिया में सबसे आगे पहुंच चुके हैं।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार अमेरिका, यूरोप, चीन, रूस और जर्मनी का सैन्य खर्च क्रमशः 954, 864, 336, 190 तथा 114 अरब डॉलर हो गया है। कहना ग़लत नहीं होगा कि इससे वैश्विक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) पर भार में बढ़ोत्तरी हुई है। जानकारी अनुसार दुनियाभर में सैन्य खर्च के चलते वैश्विक जीडीपी पर भार 2024 में 2.4% था, जो 2025 में बढ़कर 2.5% हो गया है। दुनियाभर में सरकारों का सेना पर औसत खर्च 2024 में 7% था, जो 2025 में घटकर 6.9% हो गया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि ईरान-इजरायल का खर्च घटा है। पाठकों को बताता चलूं कि इजरायल का सैन्य खर्च 4.9 फीसदी घटकर 48.3 अरब डॉलर रहा, वहीं दूसरी ओर ईरान का खर्च लगातार दूसरे साल घटा, तथा वर्ष 2025 में यह 7.4 अरब डॉलर रह गया। आंकड़े बताते हैं कि नाटो का सैन्य खर्च 14 फीसदी बढ़कर कुल 864 अरब डॉलर हो गया, वहीं पर स्पेन ने सैन्य खर्च 50 फीसदी बढ़ाया है, और कुल बजट 40.2 अरब डॉलर हो गया। इधर, मध्य-पूर्व में सेना पर 218 अरब डॉलर खर्च हुए, वर्ष 2024 से 0.1% कम। हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत के रक्षा खर्च में वृद्धि की एक बड़ी वजह पिछले मई में भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष बताया गया है, जिसमें लड़ाकू विमानों, ड्रोन्स व मिसाइलों का इस्तेमाल हुआ। इसी के चलते पाकिस्तान का सैन्य खर्च भी 11 प्रतिशत बढ़कर 11.9 अरब डॉलर हो गया। दरअसल, पाकिस्तान ने चीन से नए हथियार भी खरीदे। गौरतलब है कि इससे वैश्विक स्तर पर सैन्य खर्च का बोझ (जीडीपी के अनुपात में) 2.5 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो कि साल 2009 के बाद सबसे अधिक है। मतलब यह है कि प्रति व्यक्ति औसतन 352 डॉलर सैन्य खर्च किया गया। रिपोर्ट बताती है कि अमेरिका का सैन्य खर्च 7.5% घटकर 954 अरब डॉलर रहा, जिसका कारण यूक्रेन को नई वित्तीय सहायता का न मिलना बताया गया। इसके विपरीत यूरोप में 14 प्रतिशत और एशिया व ओशिनिया क्षेत्र में 8.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इतना ही नहीं, चीन दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश है। दरअसल, चीन ने साल 2025 में अपना रक्षा बजट 7.4 प्रतिशत बढ़ाकर 336 अरब डॉलर कर दिया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि

यह लगातार 31 वां वर्ष है जब चीन ने अपने देश का रक्षा खर्च बढ़ाया है। रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर युद्ध, भू-राजनीतिक तनाव व सुरक्षा चिंताओं के चलते देशों ने हथियारों व रक्षा तैयारियों पर खर्च बढ़ाया है। बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि किसी भी देश द्वारा अत्यधिक सैन्य खर्च के फायदे और नुकसान दोनों ही होते हैं। वास्तव में, यह किसी देश की सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और सामाजिक विकास पर सीधा प्रभाव डालता है। अत्यधिक सैन्य खर्च के फायदे यह हैं कि इससे किसी देश विशेष की जहां एक ओर राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत होती है, वहीं दूसरी ओर इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। सरल शब्दों में कहें तो सेना, रक्षा उद्योग, हथियार निर्माण, अनुसंधान और तकनीकी क्षेत्रों में नौकरियां पैदा होती हैं। अत्यधिक सैन्य खर्च से किसी देश कातकनीकी विकास होता है। वास्तव में रक्षा अनुसंधान से नई-नई तकनीकें विकसित होती हैं, जिनका उपयोग बाद में आम जनता के लिए भी होता है (जैसे इंटरनेट, जीपीएस आदि)। सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी से उस देश विशेष का अंतरराष्ट्रीय प्रभाव बढ़ता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज मजबूत सैन्य शक्ति वाला देश वैश्विक राजनीति में अधिक प्रभावशाली माना जाता है। इतना ही नहीं एक फायदा यह भी है कि इससे(अत्यधिक सैन्य खर्च से) सेना युद्ध के अलावा बाढ़, भूकंप, महामारी जैसी आपदाओं में भी मदद करती है। वहीं दूसरी ओर अत्यधिक सैन्य खर्च की बात करें तो इसके नुकसान भी कम नहीं हैं। मसलन, इससे शिक्षा और स्वास्थ्य पर व्यापक असर पड़ता है। सरल शब्दों में कहें तो ज्यादा पैसा सेना पर खर्च होने से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास योजनाओं के लिए कम धन बचता है और उस देश विशेष पर आर्थिक दबाव बढ़ता है। यदि कोई देश अत्यधिक सैन्य बजट खर्च करता है तो इससे सरकारी घाटा, कर्ज और महंगाई बढ़ सकती है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली जरूरी: ओम बिरला

नैनीताल। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सतत विकास व पारिस्थितिक संतुलन सुनिश्चित करने के लिए सभी हितधारकों – सरकारी संस्थानों, पंचायती राज संस्थाओं, नगरीय निकायों, वन पंचायतों तथा नागरिकों की संयुक्त एवं सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाना और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों का सम्मान करना दीर्घकालिक पर्यावरणीय स्थिरता और राष्ट्रीय प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक है। बुधवार को नैनीताल स्थित डॉ. रघुनंदन सिंह टोलिया प्रशासनिक अकादमी में वन पंचायत प्रतिनिधियों व त्रिस्तरीय पंचायत व स्थानीय शहरी निकाय के निर्वाचित सदस्यों को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने कहा कि उत्तराखंड की वन पंचायतें सामुदायिक भागीदारी आधारित वन प्रबंधन का एक सफल मॉडल बनकर उभरी हैं, जो न केवल वन संरक्षण एवं संवर्धन में योगदान दे रही हैं, बल्कि रोजगार सृजन और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को भी साकार कर रही हैं। इस दौरान उन्होंने प्रतिनिधियों से सीधे संवाद कर उनके अनुभव, चुनौतियों और सुझावों को भी सुना। वन पंचायतों को 'भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे सशक्त कड़ी' बताते हुए बिरला ने कहा कि जमीनी स्तर की संस्थाएं संरक्षण और सुशासन में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

वन पंचायत से संवाद करना मेरे लिए लोकतंत्र की सबसे सशक्त कड़ी से मिलने जैसा है। उन्होंने कहा कि यहॉं की पंचायतों का अनुभव दिल्ली की पंचायत से कम नहीं है। जल, जंगल और जमीन के पारस्परिक संबंध को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि ये प्राकृतिक संसाधन पारिस्थितिक संतुलन और मानव जीवन के आधार हैं। इनका संरक्षण केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं, बल्कि सामूहिक दायित्व है, जिसके लिए जमीनी स्तर पर सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक एवं पर्यावरणीय विरासत की सराहना करते हुए श्री बिरला ने कहा कि यह राज्य मानव और प्रकृति के सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व का जीवंत उदाहरण है।

उन्होंने स्थानीय समुदायों के अमूल्य योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि जल और वृक्षों के प्रति श्रद्धा जैसी परंपराएं आज भी सतत जीवनशैली का मार्गदर्शन कर रही हैं। राज्य के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि औपनिवेशिक काल में वन संसाधनों के दोहन के विरुद्ध स्थानीय समुदायों ने प्रभावी प्रतिरोध किया। 1930 के दशक से वन संरक्षण, सुरक्षा और अधिकारों के लिए निरंतर कानून एवं नीतिगत प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इन नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में शेष चुनौतियों का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए।

उन्होंने स्थानीय समुदायों की भूमिका पर बल देते हुए कहा कि वन और वन्यजीवों का संरक्षण तभी संभव है जब इनसे जुड़े लोगों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो। उन्होंने पंचायती राज संस्थाओं, नगरीय निकायों और वन पंचायतों से आह्वान किया कि वे जनभागीदारी को बढ़ावा दें, पर्यावरण अनुकूल आजीविका के अवसर विकसित करें तथा संतुलित एवं सतत विकास सुनिश्चित करें। योग और आयुर्वेद की वैश्विक बढ़ती स्वीकार्यता का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि उत्तराखंड इन पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों का प्रमुख केंद्र है। उन्होंने वन पंचायतों के सहयोग से औषधीय पौधों के लिए व्यापक कार्ययोजना बनाने, उनके वैल्यू एडिशन, शोध और आधुनिक स्वास्थ्य प्रणाली के साथ एकीकरण पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि एलोपैथी में व्यापक शोध हुआ है, किंतु औषधीय पौधों और पारंपरिक ज्ञान पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्थानीय समुदायों के पास व्यावहारिक और अनुभवजन्य ज्ञान का भंडार है, विशेषकर वनाग्नि जैसी चुनौतियों से निपटने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यही लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है, जहां अंतिम व्यक्ति की आवाज भी शासन-प्रशासन तक पहुंचती है और उसे महत्व दिया जाता है। जलवायु परिवर्तन की वैश्विक चुनौती का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इससे निपटने के लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली के संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्तराखंड का वन पंचायत मॉडल विश्व के लिए उदाहरण बन सकता है। उन्होंने राज्य में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि वन संरक्षण में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। संवाद के दौरान वन पंचायत प्रतिनिधियों ने वनाग्नि रोकथाम, संस्थागत सुदृढ़ीकरण, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहयोग से संबंधित मुद्दों पर अपने विचार रखे। बिरला ने उनके सुझावों और समस्याओं को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर सांसद अजय भट्ट ने भी विचार व्यक्त किए।

जम्मू तवी तक बढ़ेगी वंदे भारत की रफ्तार, आज रेल मंत्री दिखाएंगे हरी झंडी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव गुरुवार को जम्मू तवी रेलवे स्टेशन से विस्तारित श्रीनगर-कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे। यह ट्रेन, जो अब तक श्रीनगर से श्री माता वैष्णो देवी कटरा तक चलती थी, अब सीधे जम्मू तवी तक चलेगी।

इस तरह देश की सबसे आधुनिक ट्रेन सीधे जम्मू-कश्मीर के सबसे बड़े शहर और रेलवे हब तक पहुंच जाएगी। रेल मंत्रालय के अनुसार, बढ़ती लोकप्रियता और यात्रियों की मांग को देखते हुए इस वंदे भारत ट्रेन को 8 कोच से बढ़ाकर 20 कोच कर दिया गया है, जिससे इसकी बैठने की क्षमता में दोगुने से अधिक वृद्धि हुई है। इससे वेटिंग लिस्ट का दबाव कम होगा और यात्रियों को अधिक सुविधा मिलेगी। झंडी दिखाने के बाद रेल मंत्री उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना के तहत बने विश्व स्तरीय इंजीनियरिंग चमत्कार अंजी ब्रिज और चिनाब रेल ब्रिज का भी निरीक्षण करेंगे। विस्तारित जम्मू तवी–श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस की नियमित सेवाएं 2 मई से शुरू होंगी। इस रूट पर दो जोड़ी ट्रेनें चलाई जाएंगी, जो लगभग 266 किलोमीटर की दूरी तय करेंगी। यात्रियों को सुबह और दोपहर दोनों समय यात्रा के विकल्प मिलेंगे। इस विस्तार से खासतौर पर वैष्णो देवी के श्रद्धालुओं, पर्यटकों, व्यापारियों और स्थानीय यात्रियों को बड़ा लाभ मिलेगा।

अब यात्रियों को कटरा में ट्रेन बदलने की जरूरत नहीं होगी और वे जम्मू तवी से सीधे श्रीनगर तक बिना किसी बाधा के सफर कर सकेंगे। सर्दियों के दौरान जब जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग बर्फबारी के कारण बंद हो जाता है, तब यह वंदे भारत ट्रेन एक विश्वसनीय और सुरक्षित विकल्प के रूप में काम करेगी। अत्याधुनिक तकनीक से लैस यह ट्रेन माइनस 20 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में भी सुचारू रूप से चलने में सक्षम है। इस परियोजना से जम्मू-कश्मीर में पर्यटन और व्यापार को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ FIR दर्ज करने के मामले में याचिकाकर्ता ने पेश की दलीलें

नई दिल्ली। राऊज एवेन्यू कोर्ट के सेशंस कोर्ट में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के बारे में कथित अपमानजनक बयान के मामले में एफआईआर दर्ज करने का आदेश देने से ट्रायल कोर्ट के इनकार करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर याचिकाकर्ता की ओर से दलीलें रखी गईं। स्पेशल जज जीतेंद्र सिंह ने मामले की अगली सुनवाई 23 मई को करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता रविंद्र गुप्ता के वकील गगन गांधी ने दलीलें रखी।

उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता आरएसएस का सदस्य होने के नाते वह मल्लिकार्जुन खरगे के बयानों से आहत है। उन्होंने खरगे पर एफआआईआर दर्ज करने की मांग की। कोर्ट ने मल्लिकार्जुन खरगे की ओर से वकील रेबेका जॉन को 23 मई को दलीलें रखने का आदेश दिया। मल्लिकार्जुन खरगे की ओर से 20 मार्च को जवाब दाखिल किया गया गया था। इस मामले में तीस हजारी कोर्ट के मजिस्ट्रेट कोर्ट ने खरगे के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को खारिज कर दिया था, जिसके बाद याचिकाकर्ता रविंदर गुप्ता ने सेशंस कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। कोर्ट ने 29 जनवरी को खरगे को नोटिस जारी किया था। दरअसल 13 दिसंबर 2024 को तीस हजारी कोर्ट के मजिस्ट्रेट कोर्ट ने खरगे के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश देने से इनकार कर दिया था। मल्लिकार्जुन खरगे राज्यसभा के सांसद हैं, इसलिए उनके खिलाफ अब राऊज एवेन्यू स्थित एमपी-एमएलए कोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिका आरएसएस के सदस्य रविंद्र गुप्ता ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि मल्लिकार्जुन खरगे ने 27 अप्रैल, 2023 को कर्नाटक में विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा और आरएसएस के बारे में अपमानजनक बयान दिए। याचिका में कहा गया है कि मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए। बाद में मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि उन्होंने जो बयान दिया था वो प्रधानमंत्री के खिलाफ नहीं बल्कि आरएसएस और भाजपा के खिलाफ लगाया था।

उच्चतम न्यायालय ने तीस्ता सीतलवाड़ की पासपोर्ट जारी करने की याचिका ठुकराई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ की पासपोर्ट जारी करने की याचिका खारिज करते हुए कहा कि विदेश यात्रा की योजना तय होने पर वह नयी याचिका दायर कर सकती हैं। सीतलवाड़ ने अपने पासपोर्ट की वापसी का अनुरोध किया था, जिसे 2002 के गोधरा दंगों के बाद निर्दोष लोगों को फंसाने के लिए कथित तौर पर दस्तावेजों की जालसाजी के मामले में जमानत की शर्त के रूप में अदालत में जमा कराया गया था। उनकी याचिका पर न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता, न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति आलोक आराधे की पीठ के समक्ष सुनवाई हुई।

पीठ ने सीतलवाड़ की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से कहा कि क्या उनको जल्द कहीं जाना है? जैसे ही वह (सीतलवाड़) अपनी यात्रा का कार्यक्रम तय कर लें, हमें सूचित करें। हम पासपोर्ट इस तरह वापस नहीं करेंगे। पीठ ने टिप्पणी की आपको हमें यह बताना होगा कि आपको किस देश की यात्रा करनी है। विदेश यात्रा के लिए आपको अपना पासपोर्ट वापस चाहिए। इसके लिए आपको एक ठोस आधार तैयार करना होगा। सिब्बल ने कहा कि सीतलवाड़ को विदेश यात्रा के लिए अदालत से अनुमति लेनी होगी। याचिका का निपटारा करते हुए पीठ ने कहा कि हालांकि, जब भी याचिकाकर्ता विदेश यात्रा करना चाहे, वह नयी याचिका दाखिल कर सकती हैं।

पूरे देश में घरेलू LPG की निर्बाध आपूर्ति जारी: केंद्र

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बदलती परिस्थितियों के बीच सरकार ने बुधवार को कहा कि पूरे देश में घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की आपूर्ति बिना रुकावट सुचारू रूप से जारी है। सरकार ने कहा कि एलपीजी वितरकों के पास किसी तरह की कमी की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। इसके साथ ही ऑनलाइन बुकिंग अपने अबतक के सबसे ऊंचे स्तर पर है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने नई दिल्ली में आयोजित अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि देश में एलपीजी वितरक पर कहीं भी स्टॉक खत्म होने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। उन्होंने कहा, ₹पश्चिम एशिया संकट के कारण एलपीजी के आयात पर असर पड़ा है लेकिन हमारी घरेलू एलपीजी आपूर्ति बिना किसी रुकावट के जारी है।₹ सुजाता शर्मा ने कहा कि एलपीजी वितरकों के पास किसी भी तरह की कमी की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन एलपीजी बुकिंग और डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड पर आधारित घरेलू रसोई गैस सप्लाई भी अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर है। शर्मा ने संवाददाताओं से कहा कि भारत सरकार ने 5 किलोग्राम वाले सिलेंडरों की सप्लाई दोगुनी कर दी है। फरवरी महीने में, लगभग 21 लाख 5 किलोग्राम वाले सिलेंडर बेचे गए। उन्होंने कहा कि अप्रैल में अब तक लगभग 21.05 लाख 5 किलोग्राम वाले सिलेंडर बेचे जा चुके हैं।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव ने कहा कि अब तक पीएसयू तेल मार्केटिंग कंपनियों द्वारा लगभग 9,550 जागरूकता कैंप लगाए गए हैं, जिनमें लगभग 1.5 लाख 5 किलोग्राम वाले सिलेंडर बेचे गए हैं।

सुजाता शर्मा ने कहा कि रिटेल आउटलेट सामान्य रूप से काम कर रहे हैं और पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। कच्चे तेल का स्टॉक भी पर्याप्त है। रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं।₹ उन्होंने कहा कि मुंबई, कोच्चि, विशाखापट्टनम, चेन्नई, मथुरा और गुजरात की रिफाइनरियों द्वारा 8,900 टन प्रोपलीन और 950 टन ब्यूटाइल एक्रिलेट की बिक्री की गई है। प्रवर्तन की कार्रवाई भी जारी रही है।

वहीं, बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने बताया कि शिपमिन इंडिया 28 अप्रैल तक मंत्रालय, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस तथा उर्वरक मंत्रालयों के समन्वय से स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है। उन्होंने कहा कि डीजी शिपिंग कंट्रोल रूम ने अब तक 8000 से ज्यादा कॉल और 17000 ईमेल संभाले हैं, जिनमें पिछले 24 घंटों में 114 कॉल और 276 ईमेल शामिल हैं। मुकेश मंगल ने बताया कि शिपिंग महानिदेशालय ने 2829 भारतीय नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित की है, जिनमें पिछले 24 घंटों में 29 नाविक शामिल हैं। सभी बंदरगाह सामान्य रूप से काम कर रहे हैं और कहीं भी भीड़भाड़ की कोई रिपोर्ट नहीं है।

मुख्यमंत्री की अपील, दोपहर में धूप से बचने की सलाह

जयपुर। राजस्थान में लगातार बढ़ती भीषण गर्मी और लू (हीटवेव) के प्रकोप को देखते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों से सतर्कता बरतने और राज्य सरकार द्वारा जारी एडवाइजरी की पालना करने की अपील की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में गर्मी का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है, ऐसे में नागरिकों को अपने स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने खासतौर पर बच्चों, वृद्धजनों, गर्भवती महिलाओं और बीमार व्यक्तियों को अतिरिक्त सतर्क रहने की सलाह दी। मुख्यमंत्री ने आमजन से दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच अनावश्यक रूप से घर से बाहर नहीं निकलने का आग्रह किया है, क्योंकि इस दौरान लू का प्रभाव सबसे अधिक रहता है। उन्होंने पर्याप्त पानी पीने, हल्के कपड़े पहनने और धूप से बचाव के उपाय अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति में हीट स्ट्रोक के गंभीर लक्षण जैसे तेज बुखार, चक्कर आना, बेहोशी या अत्यधिक कमजोरी महसूस हो तो तुरंत चिकित्सा सहायता प्राप्त करनी चाहिए।

आवश्यकता पड़ने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें या आपातकालीन सेवाओं के लिए टोल-फ्री नंबर 108 अथवा 112 पर सहायता लें। मुख्यमंत्री ने श्रमिकों, किसानों, पशुपालकों और खुले स्थानों पर कार्य करने वाले लोगों से विशेष सतर्कता बरतने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि कार्यस्थलों पर पर्याप्त पानी, छाया और विश्राम की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए पशु-पक्षियों के लिए भी पानी और भोजन की व्यवस्था करने की अपील की। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी केवल मनुष्यों ही नहीं, बल्कि जीव-जंतुओं के लिए भी गंभीर चुनौती है।

राज्य सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि वे स्वास्थ्य सुरक्षा उपायों को अपनाकर स्वयं और अपने परिवार को सुरक्षित रखें तथा जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आएं।

महिलाओं को हाउस टैक्स में 25 फीसदी की छूट, भाजपा का ऐलान

चंडीगढ़। हरियाणा में आगामी दस मई को होने वाले निकाय चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने महिलाओं को केंद्र में रखकर चुनावी घोषणा पत्र जारी किया है।

बुधवार को पंचकूला स्थित पार्टी मुख्यालय में मुख्यमंत्री नायब सैनी, भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने घोषणा पत्र जारी किया। इस घोषणा पत्र की खास बात यह है कि इसे दो हिस्सों में बांटा गया है। भाजपा के प्रदेश स्तरीय मुद्दों को एक भाग में रखा है, जबकि दूसरे भाग मे पंचकूला, अंबाला व सोनीपत की स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखकर अलग-अलग घोषणा पत्र जारी किया गया है।

भाजपा ने शहरी क्षेत्रों में महिलाओं के नाम पर पंजीकृत मकानों को हाउस टैक्स में 25 प्रतिशत की छूट प्रदान करने का ऐलान किया है। इसके अलावा सभी निकायों में महिलाओं के लिए सैनेटरी नैपकिन मशीन तथा शिशु आहार कक्ष जैसी सुविधाओं से लैसे महिलाओं के लिए पिंक टायलेट बनाने का ऐलान किया गया है। भाजपा ने सभी निकायों में कचरा निस्तारण सयंत्र स्थापित करने की बात अपने घोषणा पत्र में कही है। बीस साल से अधिक समय से रह रहे परिवारों को जमीन व मकान का वैध स्वामित्व देकर उनके नाम रजिस्ट्री की जाएगी।

भाजपा ने अवैध कॉलोनियो के मुद्दे पर स्पष्ट किया है कि वैध घोषित कॉलोनियों में बची हुई अवैध भूमि को भी वैध दायरे में शामिल किया जाएगा। निगम क्षेत्रों में हाउस टैक्स प्रणाली की सरलीकरण होगा। पार्कों में ओपर एयर जिम की स्थापना की जाएगी। शहरी क्षेत्रों में पुरानी व जर्जर सीवरेज लाइनों को बदला जाएगा।

करंट की चपेट में आने से मजदूर की मौत

कोडरमा। जिले के तिलैया थाना अंतर्गत मडुआटांड़ स्थित एक मकान में कार्य करने के दौरान सरिया की ढुलाई करते समय बुधवार को 11 हजार हाई वोल्ट करंट की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान जयनगर थाना अंतर्गत कन्द्रपडीह गांव निवासी मनोज रजक उर्फ कारू रजक (45) के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार मडुआटांड़ रेलवे ब्रिज के समीप उमेश मोदी नामक एक व्यक्ति के मकान का निर्माण कार्य चल रहा था जिसके दूसरे माले पर सरिया रखने के लिए मनोज वहां गया था। जानकारी देते हुए उमेश मोदी के पुत्र अंकित ने बताया कि मनोज उर्फ कारू घर के बाहर रखे सरिया को छत के दूसरे माले से ऊपर की ओर खींच रहा था। इसी दौरान मकान के बगल से गुजरे 11 हजार हाई वोल्टेज के तार की चपेट में वह सरिया आ गया। जिससे मनोज को जोरदार झटका लगा और वह दूसरे माले से

नीचे जमीन पर गिर गया। करंट लगने और ऊंचाई से जमीन पर गिरने के कारण उसका शरीर सुन्न हो गया। इसके बाद उमेश मोदी उसे अपने निजी वाहन से लेकर सदर अस्पताल गए जहां मौजूद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन सदर अस्पताल पहुंचे। वहीं मृतक के परिजन मकान मालिक से मुआवजे की मांग कर रहे हैं। इधर घटना की सूचना पर तिलैया थाना के पैंथर के जवान घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच में जुट गए। मनोज की मौत के बाद उमेश मोदी फिलहाल फरार हैं। मृतक अपने पीछे दो पुत्री और एक पुत्र छोड़ गया है।

बिहार कैबिनेट की बैठक में 64 एजेंडों पर मुहर

पुलिस भर्ती से लेकर पटना जू के नामकरण तक कई बड़े फैसले

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार देर शाम संपन्न मंत्रिमंडल की बैठक में कुल 64 एजेंडों पर मुहर लगाई गई। बैठक में पुलिस भर्ती, यातायात व्यवस्था, शिक्षा, सड़क निर्माण, साइबर सुरक्षा, छात्रावास अनुदान और बुनियादी ढांचे से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। कैबिनेट ने बिहार पुलिस में सीधी नियुक्ति पर अवर निरीक्षक एवं समकक्ष के सृजित 20,937 पदों में से 50 प्रतिशत पद प्रोन्नति से भरने का निर्णय लिया। इससे पुलिस विभाग में पदोन्नति की प्रक्रिया को गति मिलेगी और कार्यरत कर्मियों को अवसर प्राप्त होगा। बेतिया राज की संपत्ति को निहित करने वाली नियमावली 2026 को भी स्वीकृति प्रदान की गई। वहीं राजकीय अतिथि शाला के अधीक्षक कृष्ण कुमार यादव की सेवा को एक वर्ष के लिए विस्तार दिया गया है। बिहार के चार शहरों भागलपुर, मुजफ्फरपुर, बिहार शरीफ और गया के लिए यातायात पुलिस के विभिन्न श्रेणियों में 485 नए पदों के सृजन तथा पूर्व से सृजित 1606 पदों को कर्णांकित करने का निर्णय लिया गया। इससे शहरी यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। पटना के सदर अंचल की विभिन्न खेसरा की दो एकड़ से अधिक भूमि राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) की स्थापना के लिए 10 रुपये की टोकन सलामी भुगतान पर 30 वर्षीय लीज पर देने का निर्णय लिया गया। इसमें लीज नवीनीकरण का विकल्प भी शामिल है। पटना में साइबर अपराध इकाई और विशेष शाखा के लिए भवन एवं आधारभूत संरचना निर्माण के लिए 51 करोड़ 19 लाख 84 हजार 600 रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई। साथ ही वित्त विभाग में साइबर कोषागार के गठन और संचालन के लिए 23 नए पदों के सृजन को मंजूरी मिली। बिहार आकस्मिकता निधि के स्थायी कार्य को 350 करोड़ रुपये से बढ़ाकर वित्तीय वर्ष 2026-27 में 13,900 करोड़ रुपये कर दिया गया है। यह राज्य की वित्तीय आपात जरूरतों को बेहतर ढंग से संभालने में सहायक होगा। कैबिनेट ने बक्सर-आरा-मनेर गंगा पथ, जिसकी लंबाई 90 किलोमीटर है, को पीपीपी मोड पर बिहार राज्य सड़क विकास निगम (बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन) के माध्यम से लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इसके लिए डीपीआर, परामर्शी और ट्रांजैक्शन एडवाइजर की सेवाएं भी ली जाएंगी। पटना के संजय गांधी जैविक उद्यान का नाम बदलकर अब 'पटना जू' कर दिया गया है। इसके साथ ही इसकी संचालन समिति का नाम भी बदलकर 'पटना जू प्रबंधन एवं विकास समिति' कर दिया गया है। मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना के अंतर्गत 23,165 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई। वहीं वैशाली जिले के बिदुपुर से सारण जिले के दिघवारा तक 50 किलोमीटर लंबाई में गंगा पथ निर्माण को भी मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति छात्रावास अनुदान योजना के तहत छात्रावास अनुदान राशि 1000 रुपये से बढ़ाकर 2000 रुपये कर दी गई है। बिहार में संचालित 139 छात्रावासों में लगभग 10,500 छात्र-छात्राओं को इसका लाभ मिलेगा। इसके अलावा सात निश्चय-3 के तहत 'उन्नत शिक्षा, उज्ज्वल भविष्य' योजना के अंतर्गत सभी जिला स्कूलों और प्रत्येक प्रखंड में चयनित एक-एक उच्च माध्यमिक विद्यालय को आदर्श विद्यालय के रूप में विकसित करने के लिए 8 अरब रुपये खर्च करने की स्वीकृति भी दी गई।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

कार्य का नाम	दिल्ली मंडल के अंतर्गत इलेक्ट्रिक कोचिंग में थ्री-पिन सॉकेट और स्विच प्लेट असेंबली की रेट्रो-फिटमेंट की आपूर्ति, इरेक्शन और कमीशनिंग तथा फ्यूज कार्ट्रिज (RCF/RDSO अनुमोदित) के साथ ग्लास फ्यूज की व्यवस्था।		
निविदा संख्या	30-विद्युत-12टीआर-कोचिंग-2025-26	कार्य का अनुमानित लागत (₹ में)	₹ 1,50,89,169/-
निविदा फार्म का मूल्य	₹ 0.00	कार्यालय का पता	वरि. मण्डल विद्युत अभियंता/कोचिंग, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली
बयाना राशि	₹ 3,01,800/-	कार्य समाप्ति की अवधि	06 महीने
निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि व समय	21.05.2026 15.00 बजे तक		
निविदा खोलने की तिथि व समय	21.05.2026 15.01 बजे		
वेबसाइट व नोटिस बोर्ड	www.ireps.gov.in व वरि. मण्डल विद्युत अभियंता/कोचिंग/दिल्ली		

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1444/2026

पीएम मोदी ने वाराणसी में 14 किमी लंबा रोड शो किया, काशी विश्वनाथ मंदिर में की पूजा-अर्चना

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन बुधवार सुबह वाराणसी में रोड शो किया, जिसे देखने के लिए सड़क पर भारी भीड़ उमड़ी। पार्टी नेताओं ने यह जानकारी दी।

रोड शो बनारस लोकोमोटिव वर्क्स (बीएलडब्लू) से शुरू हुआ और लहरतारा, कचहरी, आंबेडकर चौराहा, चौकाघाट, तेलियाबाग, लहुराबीर और मैदागिन से होते हुए काशी विश्वनाथ धाम पर समाप्त हुआ। मंदिर में प्रधानमंत्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना और अनुष्ठान किए। प्रार्थना पूरी करने के बाद स्थानीय प्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया और उन्हें त्रिशूल, डमरू और पारंपरिक स्टोल भेंट किया। प्रधानमंत्री ने इसे स्वीकार करते हुए उपस्थित लोगों का अभिवादन किया। जैसे ही वह मंदिर परिसर से बाहर निकले, भक्तों ने ''हर हर महादेव'' के जयकारे लगाए और मोदी ने हाथ हिलाकर और हाथ जोड़कर उनका अभिवादन किया।

प्रधानमंत्री ने पूजा अर्चना के बाद 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''हर हर महादेव ! काशी में बाबा विश्वनाथ मंदिर में दर्शन और पूजन का सौभाग्य मिला। यहां भगवान भोलेनाथ से समस्त देशवासियों के लिए सुख-समृद्धि और आरोग्यपूर्ण जीवन की कामना की।'' उन्होंने कहा, ''मां अन्नपूर्णा एवं मां गंगा के दर्शन से असीम शांति मिली। उनकी कृपा से हर किसी में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो। काशी की जनता को पुनः नमन।'' मोदी ने मंदिर के अंदर की कई तस्वीरें भी सोशल मीडिया पोस्ट में साझा कीं। प्रधानमंत्री ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर पर मौजूद बच्चों से भी संक्षिप्त बातचीत की।

भाजपा के मीडिया प्रभारी अरविंद मिश्रा ने बताया कि वाराणसी के लोग प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए उत्सुक नजर आए और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, पदाधिकारी और स्थानीय निवासी पूरे मार्ग में कतारों में खड़े रहे। प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए भक्तों और समर्थकों को ''हर हर महादेव'' और ''जय श्री राम'' के जयकारे लगाते देखा गया। मिश्रा ने बताया कि पूरे मार्ग में स्वागत के लिए कई स्थान निर्धारित किए गए थे, जहां पार्टी कार्यकर्ताओं व स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा कर तथा ढोल व शंख बजाकर प्रधानमंत्री का स्वागत किया।

करीब 14 किलोमीटर लंबे इस रोड शो को पार्टी नेता शहर में अब तक के सबसे बड़े रोड शो में से एक बता रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि पूरे रास्ते सड़कों के दोनों ओर भारी भीड़ देखी गई।

पश्चिम बंगाल में पूर्ण बहुमत से बनेगी भाजपा सरकार, विकास की लिखी जाएगी नई गाथा : नितिन नवीन

मीरजापुर। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन बुधवार सुबह मां विंध्यवासिनी धाम पहुंचे और विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया। दर्शन-पूजन प्रधान अर्चक अगस्त्य कुमार द्विवेदी और धीरज मिश्र ने कराया।

पूजन के बाद उन्होंने विंध्य कॉरिडोर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं पर संतोष जताया। इस अवसर पर उन्होंने पश्चिम बंगाल के चुनाव को लेकर महत्वपूर्ण बयान दिया। उन्होंने कहा कि आज पश्चिम बंगाल के लिए एक विशेष दिन है, क्योंकि यहां के नागरिक आज सेकेंड फेज का मतदान कर रहे हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल की जनता से अपील की कि वे लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर भाग लें और अधिक से अधिक मतदान करें। नितिन नवीन ने कहा कि हम पश्चिम बंगाल को सुरक्षित बनाने के लिए प्रचंड बहुमत की सरकार बनाने जा रहे हैं।

नितिन नवीन ने आगे कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने से राज्य में विकास की नई गाथा लिखी जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर राज्य में कानून-व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा और विकास के नए आयाम स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा की सरकार हर वर्ग के लोगों के लिए काम करेगी और सभी को साथ लेकर चलने का प्रयास करेगी। उन्होंने मतदाताओं से आग्रह किया कि वे अपने मत का प्रयोग अवश्य करें, क्योंकि यह उनके भविष्य का सवाल है। उन्होंने कहा कि मतदान करना हर नागरिक का अधिकार है और इसे निभाना उनकी जिम्मेदारी भी है।

नितिन नवीन ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में सुधार लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार बंगाल का तेजी से विकास करेगी। इस दौरान उनके साथ एमएलसी विनीत सिंह, मड़िहान विधायक रमाशंकर सिंह पटेल, जिलाध्यक्ष लालबहादुर सरोज, जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार, पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक सहित कई वरिष्ठ नेता व अधिकारी मौजूद रहे। दर्शन-पूजन के बाद वह कार्यकर्ताओं से भेंट कर वाराणसी के लिए रवाना हो गए। उनके दौरे को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

सपा ने महिला आरक्षण लागू न करने पर निंदा प्रस्ताव किया पारित

▶▶ सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी विधायकों के साथ की बैठकसपा ने महिला आरक्षण फौरन लागू करने की मांग की

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा का गुरुवार को होने वाले एक दिवसीय विशेष सत्र को लेकर सत्ता दल भाजपा और विपक्ष ने अपनी रणनीति तेज कर दी है। भाजपा संसद में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले नारी वंदन विधेयक पारित न होने पर विपक्ष को घेरेगा। वहीं सपा ने इससे निपटने को लेकर अपनी रणनीति बना ली है।

विशेष सत्र से एक दिन पहले बुधवार को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पार्टी विधायकों एवं पदाधिकारियों के साथ राजधानी लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में एक अहम बैठक की। इस दौरान सपा ने विधानसभा के विशेष सत्र को लेकर निंदा प्रस्ताव पारित किया है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की उपस्थिति में पार्टी की बैठक में सरकार के खिलाफ 16 सूत्रीय निंदा प्रस्ताव पेश किया गया।

पार्टी विधायकों ने सर्वसम्मति से महिला आरक्षण बिल के आधार पर महिलाओं को आरक्षण देने का प्रस्ताव पास किया। साथ ही सपा ने संसद में पारित हो चुके महिला आरक्षण बिल के बाद भी आरक्षण लागू न करने पर भाजपा के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया। सपा की बैठक के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पत्रकारों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सरकार में पास हो चुके महिला आरक्षण बिल को भाजपा लागू क्यों नहीं करती है। इसकी पीछे सरकार की मंशा स्पष्ट नहीं है। भाजपा सरकार की नियत महिलाओं को आरक्षण देने की नहीं है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी चाहती है कि फौरन महिलाओं को आरक्षण दिया जाए।

सपा अध्यक्ष ने भाजपा सरकार को घेरते हुए कहा कि जो एक्ट बन गया है, जिसमें महिला आरक्षण बिल कानून बन गया है, अगर भारतीय जनता पार्टी चाहे तो अगले ही चुनाव में उसे लागू कर सकती हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि इनकी सरकार में सबसे ज्यादा महिलाएं एवं बेटियां असुरक्षित हैं। भाजपा किसी की भी सगी नहीं है।

उन्होंने कहा कि पूरा उत्तर प्रदेश इस बार समाजवादी पार्टी के पक्ष में है। समाजवादियों के पक्ष में हवा चल रही है। जबकि भारतीय जनता पार्टी अपने दिन गिन ले। इस सरकार में किसान, नौजवान, महिलाएं हर वर्ग ये जान गया है कि बुरे दिन जाने वाले हैं। एक सवाल के जवाब में अखिलेश ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा जोड़ने का काम करती है। ये नाम संविधान से लिया हुआ नाम है। समाजवादी पार्टी भेदभाव को मिटाना चाहती है। उन्होंने कहा कि हम सब लोग नेताजी के ही रस्ते पर पहले दिन से चल रहे हैं।

बंगाल की जनता सत्ता परिवर्तन चाहती हैः एसपी सिंह बघेल

मीरजापुर। केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल ने बुधवार को मां विंध्यवासिनी धाम में विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया। उन्होंने देशवासियों की सुख-समृद्धि और विकास की कामना की। दर्शन के बाद पत्रकारों से बातचीत में श्री बघेल ने पश्चिम बंगाल के चुनाव पर कहा कि वहां की जनता सत्ता और व्यवस्था दोनों में बदलाव चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार में राज्य का विकास प्रभावित हुआ है और भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमले व फर्जी मुकदमे किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस बार केंद्रीय बलों की निगरानी में निष्पक्ष चुनाव हो रहा है और लोग बढ़-चढ़कर मतदान कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि परिणाम भाजपा के पक्ष में आएंगे और हमारी सरकार बनेगी। मंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार पशुपालकों और किसानों के हित में लगातार काम कर रही है ।

सड़क हादसे तीन बारातियों की मौत, दो घायल

▶▶ एक शव की हुई पहचान दो अन्य शवों की पहचान में जुटी पुलिस

देवरिया। जनपद में एक दर्दनाक सड़क हादसे में बुधवार की भोर में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा हाजी मार्केट मोड़ के पास उस समय हुआ, जब एक स्विफ्ट डिजायर कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। कार में सवार सभी लोग बिहार से देवरिया के एक गांव में बारात में आए थे।

प्रभारी एसएसआई अरविंद यादव के अनुसार, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गए। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने जेसीबी और कटर मशीन की सहायता से कार को काटकर घायलों को बाहर निकाला। घायलों को तत्काल 108 एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पथरदेवा भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल दो अन्य व्यक्तियों को बेहतर इलाज के लिएमेडिकल कॉलेज देवरिया 108 की मदद से रेफर किया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। मृतकों में से एक की पहचान करण कुशवाहा पुत्र राजकुमार, निवासी रूपही, थाना बीटहां, जिला चंपारण (बिहार) के रूप में हुई है, जबकि अन्य मृतकों और घायलों की पहचान अभी नहीं हो सकी है।

पुलिस उनकी पहचान कराने का प्रयास कर रही है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

ट्रक की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार मां-बेटे की मौत, एक गम्भीर

फतेहपुर। जिले में बुधवार की सुबह निमंत्रण में आ रहे मां-बेटे को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दिया जिससे मां-बेटे की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरा बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। गाजीपुर थाना क्षेत्र के सिमौर गांव निवासी मूलचन्द्र अपने परिवार सहित कानपुर में रहते हैं। वह खागा कोतवाली क्षेत्र के संग्रामपुर रिश्तेदारी में शादी थी। पुत्र सूरज (22), पत्नी पुष्पा(42) व छोटा पुत्र अनुराग(11) आज मोटरसाइकिल में सवार होकर खागा जा रहे थे। जैसे ही यह लोग कल्यानपुर थाना क्षेत्र के बक्सर मोड़ के समीप पहुंचे तभी पीछे से आ रहा तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल में टक्कर मार दिया जिससे पुष्पा देवी व सूरज की घटनास्थल पर मौत हो गई। वहीं अनुराग गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद चालक मौके पर ट्रक छोड़कर भाग जाने में सफल रहा। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं अनुराग को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर ने हालत गंभीर देखते हुए कानपुर मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। कल्यानपुर थानाध्यक्ष सुमित देव पांडे ने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस तत्काल घटनास्थल पहुंची और घटना की जानकारी परिजनों को दे दी गई है। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजते हुए अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

तीहरे हत्याकांड में फरार चल रहे दो इनामी बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में तीहरे हत्याकांड में फरार चल रहे दो इनामी बदमाशों को पुलिस और स्वॉट टीम ने मंगलवार की रात एक मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया है। दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगने पर इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। इनके पास से तमंचा, पिस्टल और घटना से जुड़ी डीवीआर बरामद हुई है।

खुर्जा क्षेत्राधिकारी (सीओ) शोभित कुमार ने बुधवार को बताया कि शनिवार रात को सुभाष मार्ग स्थित एक जिम में जन्मदिन की पार्टी के दौरान अमरदीप, उसके चचेरे भाई मनीष और भतीजे आकाश की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने 10 लोगों को नामजद करते हुए उनकी तलाश शुरू कर दी। सोमवार को पुलिस ने मयंक, रुपेश और नरेश को गिरफ्तार किया था। मंगलवार की रात आरोपित रिंकू सैनी और भरत सैनी को गिरफ्तार कर लिया। देर रात को पुलिस साक्ष्य संकलन के लिए अभियुक्तों को लेकर मुंडाखेड़ा नहर के पास पहुंची। इस दौरान अभियुक्तों ने छिपाकर रखे तमंचे से पुलिस टीम पर फायर झोंकते हुए भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर उनकी फायरिंग का जवाब दिया।

इस दौरान दोनों बदमाश पुलिस की गोली से घायल हो गये,जिन्हें अभिरक्षा में लेकर उपचार के लिए अस्पताल भर्ती कराया गया। सीओ ने बताया कि दोनों बदमाशों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस इनके खिलाफ आगे की कार्रवाई कर रही है। इस मामले में अब तक कुल 5 आरोपी पकड़े जा चुके हैं,जबकि अन्य की तलाश जारी है।

कांग्रेस नेताओं को पुलिस ने किया हाउस अरेस्ट

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में बुधवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा संभावित विरोध प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने देर रात जिले भर के कई प्रमुख कांग्रेस नेताओं को उनके घरों में ही नजरबंद कर दिया गया। इनमें कांग्रेस के जिलाध्यक्ष डा. प्रमोद कुमार सिंह को सुजानगंज स्थित उनके आवास पर पुलिस बल की निगरानी में रखा गया।

वहीं खुटहन थाना क्षेत्र में जिला उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा को भी पुलिस ने उनके घर पर ही हाउस अरेस्ट कर दिया। शहर अध्यक्ष आरिफ खान, प्रदेश सचिव सत्यवीर सिंह, पंकज सोनकर और कांग्रेस नेता जयमंगल यादव सहित कई अन्य कार्यकर्ताओं को भी नजरबंद किया गया। पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से की गई है, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

वहीं कांग्रेस नेताओं ने इस कार्रवाई पर कड़ी नाराजगी जताई है। बुधवार को जिलाध्यक्ष डा. प्रमोद कुमार सिंह ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि बिना पूर्व सूचना के इस प्रकार नजरबंदी करना लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है।

फिल्मी स्टाइल में कार की छत पर युवकों के डांस का वीडियो वायरल, यातायात नियम तोड़ने पर 27,500 रुपये का जुर्माना

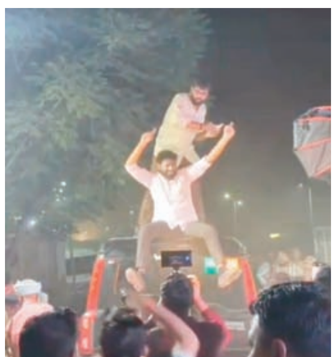

औरैया। जनपद औरैया में एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें भाजपा के एक जिला मंत्री को ''फिल्मी स्टाइल'' में कार की छत पर चढ़कर डांस करते हुए देखा जा सकता है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो किसी जश्न के दौरान बनाया गया, जहां भाजपा नेता न सिर्फ गाड़ी की छत पर खड़े होकर नाचते नजर आए, बल्कि उनके साथ मौजूद लोग नोट उड़ाएं।

वायरल वीडियो में साफ देख रहा है कि चलती या खड़ी कार की छत पर चढ़कर स्टंट किया जा रहा है, जो यातायात नियमों का खुला उल्लंघन है। इस दौरान वहां मौजूद अन्य लोग भी इस पूरे घटनाक्रम को उत्साह के साथ रिकॉर्ड करते नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि मौके पर बिधूना ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि आदर्श ठाकुर भी मौजूद थे, जिससे मामला और अधिक चर्चा में आ गया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद लोगों ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी। कई यूजर्स ने इसे कानून और नियमों की अनदेखी बताते हुए कार्रवाई की मांग की। आम जनता का कहना है कि जब जिम्मेदार पदों या राजनीतिक शख्सियत के लोग ही इस तरह नियमों को तोड़ेंगे, तो समाज में गलत संदेश जाएगा। मामले को गंभीरता से लेते हुए यातायात पुलिस ने बुधवार को वायरल वीडियो का संज्ञान लिया और संबंधित वाहन के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

वहीं यातायात नियमों के उल्लंघन के चलते परिवहन विभाग के एआरटीओ एन. सी. सिंह ने बताया कि वाहन पर कुल 27,500 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। उनका कहना है कि सार्वजनिक सड़कों पर इस तरह के स्टंट करना न केवल गैरकानूनी है, बल्कि इससे आम नागरिकों को जान-माल का भी खतरा बना रहता है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे ट्रैफिक नियमों का पालन करें और इस तरह के खतरनाक स्टंट से बचें। वहीं, यह मामला अब पूरे जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग इसे जिम्मेदारी बनाम लापरवाही के नजरिए से देख रहे हैं।

डंपर की टक्कर में बोलेरो सवार तीन महिलाओं की मौत

उन्नाव। बिहार थाना क्षेत्र स्थित बक्सर सुमेरपुर मार्ग पर बुधवार को तेज रफ्तार डंपर ने लापरवाही से ओवरटेक करते हुए बोलेरो को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो अनियंत्रित होकर गड्ढे में जा गिरी। घटना में कार सवार 11 लोग घायल हो गये, जिन्हें इलाज के लिए सुमेरपुर सामुदायिक केंद्र में भर्ती कराया गया।

डॉक्टरों ने तीन महिलाओं को मृत घोषित कर दिया, जबकि आठ लोग लोगों को जिला अस्पताल में रेफर किया है। सीओ बीघापुर मधुप नाथ मिश्रा ने बताया कि ग्राम पठई अकोहरी निवासी नरेंद्र बहादुर के परिवार में तीन वर्षीय पुत्र शुभ का मुंडन कराने के लिए बक्सर स्थित चंद्रिका देवी मंदिर में गए थे। बुधवार को मुंडन कराकर वापस बोलेरे कार से लौट रहे थे। अभी वह बक्सर सुमेरपुर मार्ग पर एचपी पेट्रोल पम्प ग्राम सुमेरपुर के पास पहुंचे ही थे, तभी ओवरटेक करते समय एक डंपर (बीआर 03 जीसी 0838) और बोलेरो (यूपी 35 एन 6347) की टक्कर हो गयी, जिसमे करीब 11 लोग गम्भीर घायल हो गये। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ केंद्र में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने पठई निवासी गुलाब सिंह की पत्नी वितान (35), नरेंद्र बहादुर की पत्नी गीता (35) और एक अन्य महिला को मृत घोषित कर दिया। वहीं, सुनीता, सूरज सिंह, भारती, सुभाष सिंह, गौरी, ड्राइवर रमधनी यादव, बउआ और ज्योति घायल हो गयी। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

तिहरे हत्याकांड में 50-50 हजार रुपये के दो इनामी आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

बुलंदशहर। जिले में हालिया तिहरे हत्याकांड के सिलसिले में 50-50 हजार रुपये के इनामी दो आरोपियों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक 25-26 अप्रैल की दरमियानी रात खुर्जा क्षेत्र में जन्मदिन की पार्टी के दौरान एक ही परिवार के तीन सदस्यों की गोली मारकर हत्या किए जाने की घटना के कुछ दिन बाद यह गिरफ्तारी हुई है।

इस घटना के बाद लापरवाही के आरोप में एक थाना प्रभारी सहित चार पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया था। पुलिस के अनुसार, रिंकू और भरत नामक दोनों आरोपियों को खुर्जा नगर पुलिस और स्वाट टीम ने 28-29 अप्रैल की देर रात मुंडाखेड़ा नहर के पास एक संयुक्त अभियान के दौरान गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस की टीम आरोपियों को वारदात से जुड़े डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर (डीवीआर) की बरामदगी के लिए मौके पर ले गई थी, तभी दोनों ने कथित तौर पर हिरासत से भागने की कोशिश की और छिपाए गए हथियारों से पुलिस पर गोलीबारी कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों के पैरों में गोली मारकर उन्हें काबू कर लिया।

घायल आरोपियों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक अवैध पिस्तौल, एक देसी तमंचा, कारतूस और डीवीआर बरामद किया है। दोनों आरोपियों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम कलानिधि नैथानी, पुलिस उप महानिरीक्षक, मेरठ रेंज द्वारा घोषित किया गया था। इससे पहले, मामले में मयंक नामक एक आरोपी को भी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। खुर्जा के क्षेत्राधिकारी शोभित कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी 25-26 अप्रैल की गोलीबारी की घटना में सीधे तौर पर शामिल थे, जिसमें तीन युवकों की मौत हुई थी। उन्होंने कहा, "सबूत की बरामदगी के लिए ले जाए जाने के दौरान आरोपियों ने पुलिस की टीम पर हमला कर भागने का प्रयास किया। जवाबी कार्रवाई में वे घायल हुए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।"

यह तिहरा हत्याकांड जन्मदिन समारोह के दौरान हुए विवाद के हिंसक रूप लेने के बाद हुआ था, जिसमें अमरदीप (30), मनीष (28) और आकाश (18) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। तीनों आपस में रिश्तेदार थे। पुलिस ने इस मामले में कई आरोपियों को नामजद कर उनकी गिरफ्तारी के लिए अभियान चला रखा है।

IPL: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के सामने गुजरात टाइटंस की होगी कड़ी परीक्षा

अहमदाबाद। निरंतरता हासिल करने के लिए बेताब गुजरात टाइटंस को गुरुवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में शानदार फॉर्म में चल रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। अब जबकि टूर्नामेंट का आधा चरण पूरा हो चुका है तब गुजरात टाइटंस की टीम आठ मैचों में चार जीत और चार हार के साथ अंक तालिका में आगे बढ़ने के लिए संघर्ष कर रही है। दूसरी तरफ मौजूदा चैंपियन आरसीबी शानदार फॉर्म में है और उसने आठ मैचों में से छह में जीत दर्ज की है। आरसीबी अभी अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है।

आरसीबी की तरफ से उसके तेज गेंदबाजों भुवनेश्वर कुमार और जोश हेज़लवुड ने मिलकर कहर बरपाया है। जहां भुवनेश्वर ने अपनी शानदार स्विंग से पुराने दिनों की याद दिला दी है, वहीं हेज़लवुड ने टेस्ट मैच के स्तर की गेंदों से बल्लेबाजों को परेशान किया है। वह बल्ले के बाहरी किनारे को लक्ष्य बनाकर गेंदबाजी कर रहे हैं। इसके अलावा बीच के ओवरों में क्रुणाल पंड्या का सामना करना भी बड़ी चुनौती है क्योंकि उनकी गेंदबाजी में काफी विविधता है। गुजरात टाइटंस की टीम शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर अधिक निर्भर है। उसके चोटी के तीन बल्लेबाजों साई सुदर्शन, कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर ने एक बार फिर अधिकतर रन बनाए हैं। वाशिंगटन सुंदर ने मध्य क्रम में अपनी काबिलियत साबित की है, जबकि शाहरुख खान और राहुल तेवतिया जैसे फिनिशर अभी तक कोई खास कमाल नहीं दिखा पाए हैं। मध्य क्रम को मजबूती देने के लिए जेसन होल्डर को अंतिम एकादश में शामिल किया गया है।

इन दोनों टीम के बीच पिछले सप्ताह चिन्नास्वामी स्टेडियम में मैच खेला गया था जिसमें आरसीबी ने 206 रन का लक्ष्य सात गेंद शेष रहते आसानी से हासिल कर लिया था। गुजरात टाइटंस की टीम अभी तक अपने घरेलू मैदान पर दबदबा बनाने में नाकाम रही है। उसने मोटेरा में खेले गए तीन मैचों में से दो मैच गंवाए हैं।

आरसीबी इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है, लेकिन सुधार की गुंजाइश हमेशा रहती है। इंग्लैंड के अपने साथी खिलाड़ी फिल साल्ट की चोट के कारण पिछले दो मैच में खेलने वाले जैकब बेथेल कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं। यह प्रतिभाशाली बल्लेबाज गुरुवार को विराट कोहली के साथ पारी का आगाज करते हुए अपनी छाप छोड़ने के लिए बेताब होगा। बेथेल ने टी20 विश्व कप के दौरान शानदार प्रदर्शन किया था और वह किसी भी समय अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखा सकते हैं इसलिए गुजरात टाइटंस को किसी तरह के मुगालते में नहीं रहना चाहिए। आरसीबी ने पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स को करारी शिकस्त दी थी जिससे उसका मनोबल बढ़ा होगा। दिल्ली में मिली बड़ी जीत के बाद आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने कहा था, ''अपनी दिनचर्या का पालन करना बहुत जरूरी है क्योंकि अभी लंबा सफर तय करना है, लेकिन मुझे लगता है कि हम एक-एक मैच पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हमारे लिए सकारात्मक बात यह है कि हमारा कोई ना कोई खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।''

इस प्रकार हैं टीम

- **गुजरात टाइटंस:** शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, मानव सुथार, निशांत सिंधु, वॉशिंगटन सुंदर, गुरनूर बराड़, अरशद खान, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कैगिसो रबाडा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, जयंत यादव, ईशांत शर्मा, अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टॉम बैंटन, ल्यूक वुड, साई सुदर्शन, एम शाहरुख खान, अनुज रावत, कुलवंत खेजरोलिया, राहुल तेवतिया।
- **आरसीबी:** रजत पाटीदार (कप्तान), टिम डेविड, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, फिलिप साल्ट, जितेश शर्मा, जैकब बेथेल, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, अभिनंदन सिंह, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, नुवान तुषारा, वेंकटेश अय्यर, जैकब डफी, मंगेश यादव, जॉर्डन कॉक्स, विक्की ओस्टवाल, विहान मल्होत्रा, कनिष्क चौहान, सात्विक देसवाल।

मैच भारतीय समयानुसार शाम 7.30 बजे शुरू होगा।

एसएलसी प्रशासन का कार्यभार संभालेगी श्रीलंका की सरकार

कोलंबो। श्रीलंका सरकार ने बुधवार को देश के क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा और कार्यकारी समिति के इस्तीफे के बाद बोर्ड का प्रशासन अपने हाथ में लेने का फैसला किया। श्रीलंका क्रिकेट के प्रमुख सिल्वा और अन्य पदाधिकारियों ने मंगलवार को इस्तीफा दे दिया था। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने वित्तीय अनियमितताओं के बढ़ते आरोपों के बाद उनके आपसी सहमति से पद छोड़ने का समझौता कराया था।

श्रीलंका के खेल मंत्री सुनील कुमारा गमागे ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''1973 की खेल कानून की संख्या 25 की धारा 31 और 34 के तहत प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रीलंका क्रिकेट के सभी प्रशासनिक कार्यों को अस्थायी रूप से खेल मंत्रालय के अधीन लाया जाएगा।'' उन्होंने इसके साथ ही कहा कि मौजूदा पदाधिकारियों के इस्तीफे स्वीकार कर लिए गए हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि श्रीलंकाई क्रिकेट में मौजूदा समस्याओं का समाधान करने और सुधारों को लागू करने के लिए जल्द ही एक अंतरिम समिति गठित की जाएगी। कार्यकारी समिति की मंगलवार को लगभग तीन घंटे तक चली बैठक के बाद सिल्वा ने इस्तीफा देने का फैसला किया।

हालांकि, इस्तीफे के कारणों का खुलासा नहीं किया गया। श्रीलंका की सरकार खिलाड़ियों की शिकायतों और श्रीलंका की राष्ट्रीय टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए मार्च की शुरुआत से ही सिल्वा को बर्खास्त करने पर विचार कर रही थी। सिल्वा पिछले सात वर्षों से एसएलसी के अध्यक्ष थे। उन्होंने 2019 में बहुमत हासिल किया था जबकि 2021, 2023 और 2025 में उन्हें निर्विरोध चुना गया था। सिल्वा ने एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। उन्होंने 2025 में जय शाह से यह पद संभाला था।

दिग्गज भारतीय गोल्फर विजय कुमार का निधन

नई दिल्ली। दिग्गज भारतीय गोल्फर विजय कुमार का उनके गृह नगर लखनऊ में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 57 वर्ष के थे। इंडियन ओपन 2002 के विजेता और चार बार के 'ऑर्डर ऑफ मेरिट' चैंपियन विजय भारतीय पेशेवर गोल्फ के सबसे सफल और सम्मानित खिलाड़ियों में से एक थे। विजय ने 1988 में पेशेवर गोल्फर के रूप में करियर शुरू किया। उन्होंने एक दशक से भी अधिक समय तक भारतीय घरेलू गोल्फ पर अपना दबदबा बनाए रखा और इस दौरान कई खिताब जीते। इंडियन ओपन 2002 में उनकी जीत विशेष रूप से उल्लेखनीय है। वह इंडियन ओपन जीतने वाले नौ भारतीय गोल्फरों में से एक हैं। विजय ने 1999 में स्कॉटलैंड के सेंट एंड्रयूज में अल्फ्रेड डनहिल कप में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

अफगानिस्तान की महिला शरणार्थी टीम को फीफा टूर्नामेंट में खेलने की अनुमति मिली

वाशिंगटन। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फ़ीफ़ा ने अफगानिस्तान की महिला शरणार्थी टीम को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति दे दी है।

अफगानिस्तान की राष्ट्रीय टीम की महिला खिलाड़ियों ने तालिबान शासन के कारण पांच साल पहले अपना देश छोड़ दिया था और तब से वह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खेलने की अनुमति मिलने का इंतजार कर रही थी। ब्रिटिश कोलंबिया के वैंकूवर में हुई फीफा परिषद की बैठक में अफगानिस्तान की महिला शरणार्थी टीम को मान्यता देने के लिए फीफा के नियमों में संशोधन करने पर सहमति बनी। अफगानिस्तान की महिला टीम अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अफगान महिला यूनाइटेड नाम से भाग लेगी।

अफगानिस्तान की महिला टीम के लिए हालांकि ब्राजील में 2027 में होने वाले महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के लिए बहुत देर हो चुकी है लेकिन वह लॉस एंजिलिस में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों के क्वालीफाइंग में भाग ले सकती है।

बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा टी20 बारिश की भेंट चढ़ा

चटगांव। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच बुधवार को यहां होने वाला दूसरा टी20 क्रिकेट मैच लगातार बारिश के कारण एक भी गेंद फेंके बिना रद्द करना पड़ा। काफी इंतजार करने के बावजूद बारिश के रुकने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही थी जिसके बाद मैच रद्द करने का फैसला किया गया। पहले मैच में छह विकेट की जीत के बाद बांग्लादेश तीन मैच की श्रृंखला में 1-0 से आगे चल रहा है। श्रृंखला का अंतिम मैच मीरपुर में शनिवार से खेला जाएगा। बांग्लादेश ने इससे पहले तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला 2-1 से जीती थी।

मैच के दौरान ड्रेसिंग रूम में ई-सिगरेट पीते दिखे रियान पराग

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग मंगलवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ मुल्लांपुर में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान ड्रेसिंग रूम में 'वेपिंग' (ई-सिगरेट का इस्तेमाल करना) करते हुए टीवी कैमरों में कैद होने के बाद विवादों में घिर गए हैं। भारत सरकार ने 2019 में ई-सिगरेट पर प्रतिबंध लगा दिया था, जिसमें इसका उत्पादन, बिक्री और वितरण शामिल था। इस संबंध में कानून के अनुसार पहली बार अपराध करने पर दोषी को एक साल तक की कैद हो सकती है या/और उस पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया सकता है।

आईपीएल के मौजूदा सत्र में रन बनाने के लिए जूझ रहे पराग पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के सीधा प्रसारण के दौरान ड्रेसिंग रूम में ई-सिगरेट का सेवन करते हुए देखे गए। कैमरे में कैद हुई इस घटना पर सोशल मीडिया पर तुरंत ही प्रतिक्रिया होने लगी। पराग ने अपनी टीम की जीत में 16 गेंदों में 29 रन बनाए थे। इस प्रतियोगिता के संचालन से जुड़े आईपीएल और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारियों ने इसे सोशल मीडिया और टीवी कैमरों की निगरानी के युग में बेहद लापरवाही वाला कृत्य करार दिया। आईपीएल के एक विश्वसनीय सूत्र ने बताया, ''कई खिलाड़ी ई-सिगरेट का सेवन करते हैं, लेकिन वे ड्रेसिंग रूम में ऐसा नहीं करते। इतने सारे कैमरों के बीच ऐसा करना बेहद जोखिम और लापरवाही भरा है।

पराग को खुलेआम ई-सिगरेट पीते हुए पकड़े जाने के बाद बीसीसीआई को कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।'' राजस्थान रॉयल्स टीम का कोई भी अधिकारी इस मामले पर टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं था। आईपीएल के मौजूदा सत्र में यह पहला अवसर नहीं है जबकि राजस्थान किसी विवाद में पड़ा। इससे पहले इसी महीने की शुरुआत में टीम मैनेजर रोमी भिंडर पर डगआउट में फोन का इस्तेमाल करने कारण नियमों का उल्लंघन करने के लिए एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था। आईपीएल के एक अन्य सूत्र ने पीटीआई को बताया कि मौजूदा टूर्नामेंट से पहले मुंबई में कप्तानों की बैठक में ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों की निजता का मुद्दा उठाया गया था। कुछ कप्तानों ने सीधा प्रसारण के दौरान ड्रेसिंग रूम की ओर कैमरे घुमाए जाने पर आपत्ति जताई थी।

सूत्र ने कहा, ''यह ड्रेसिंग रूम में ई-सिगरेट के इस्तेमाल से सीधे तौर पर संबंधित नहीं था। यह मोटे तौर पर खिलाड़ियों की निजता से जुड़ा था। कई बार खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में पूरे कपड़े नहीं पहने होते हैं या वे कैमरों से बचना चाहते हैं।'' सूत्र के अनुसार खिलाड़ियों को बताया गया कि ड्रेसिंग रूम से फुटेज दिखाने वाले कैमरों के बारे में फैसला लेना बीसीसीआई का नहीं बल्कि प्रसारक का काम है। इस घटना के बाद इसकी समीक्षा की जा सकती है। सूत्र ने कहा, ''यह पराग की तरफ से लापरवाही थी और इस तरह की घटना का बचाव करना मुश्किल है। एक शीर्ष खिलाड़ी का इस तरह धूम्रपान करते हुए पकड़े जाना लोगों के लिए अच्छा उदाहरण नहीं है।'' ई-सिगरेट निषेध अधिनियम (पीईसीए) 2019 के अनुसार, ''कोई भी व्यक्ति प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से ई-सिगरेट का उत्पादन या निर्माण या आयात या निर्यात या परिवहन या बिक्री या वितरण नहीं करेगा और ई-सिगरेट का विज्ञापन नहीं करेगा या किसी ऐसे विज्ञापन में भाग नहीं लेगा जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से ई-सिगरेट के उपयोग को बढ़ावा देता हो।''

जॉन हॉपकिंस मेडिसिन के अनुसार, ''ई-सिगरेट का इस्तेमाल करना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, हालांकि यह सिगरेट पीने जितना हानिकारक नहीं हो सकता है।'' उसके अनुसार, ''निकोटिन नियमित सिगरेट और ई-सिगरेट का मुख्य घटक है और इससे लत लग जाती है। इससे धूम्रपान की तीव्र इच्छा पैदा होती।'' जॉन हॉपकिंस मेडिसिन की वेबसाइट पर एक विशेषज्ञ के लेख में कहा गया है, ''निकोटिन एक जहरीला पदार्थ है। यह रक्तचाप और एड्रेनालाईन का स्तर बढ़ाता है, जिससे हृदय गति बढ़ जाती है और दिल का दौरा पड़ने की संभावना बढ़ जाती है।''

कोठारी ने आडवाणी को हराकर विश्व बिलियर्ड्स खिताब बरकरार रखा

कारलो (आयरलैंड)। भारत के सौरव कोठारी ने यहां एकतरफा फाइनल में हमवतन पंकज आडवाणी को हराकर आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स चैंपियनशिप का खिताब बरकरार रखा। कोलकाता के खिलाड़ी ने तीन घंटे तक चले फाइनल में 19 बार के चैंपियन आडवाणी को 1133-477 से हराया। कोठारी ने लगातार अच्छे ब्रेक बनाए। उन्होंने 485, 121, 90, 241 और 155 के ब्रेक बनाकर अपनी जीत सुनिश्चित की। कोठारी ने फाइनल के बाद अपनी जीत को अपने पिताजी मनोज कोठारी को समर्पित किया जिनका इस साल के शुरू में निधन हो गया था। उन्होंने कहा, ''मैं अपने पिताजी के लिए इस प्रतियोगिता को दोबारा जीतना चाहता था। यह जीत मैं अपने पिताजी को समर्पित करता हूं।'' कोठारी ने कहा, ''विश्व खिताब जीतना वाकई अविश्वसनीय लगता है और उसका बचाव करना तो और भी खास है।''

देश में पहली तिमाही में सोने की मांग 10 प्रतिशत बढ़कर 151 टन: डब्ल्यूजीसी

मुंबई। देश में इस वर्ष जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान सोने की मांग सालाना आधार पर 10 प्रतिशत बढ़कर 151 टन रही। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने बुधवार को जारी अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार, इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह सोने की कीमतों में तेज उछाल के बीच निवेश मांग में आई मजबूत वृद्धि है। अब सोने की मांग का रुझान बदलता हुआ दिख रहा है, जहां आभूषण के बजाए निवेश के लिए खरीद तेजी से बढ़ रही है।

डब्ल्यूजीसी ने कहा कि तिमाही के दौरान सोने की छड़ों, सिक्कों और ईटीएफ के जरिए निवेश मांग 54 प्रतिशत बढ़कर 82 टन हो गई। इस बढ़ोतरी ने आभूषण मांग में आई गिरावट की काफी हद तक भरपाई कर दी। तिमाही के दौरान आभूषण मांग पर दबाव रहा और यह सालाना आधार पर 19 प्रतिशत घटकर 66 टन रह गई। ऊंची कीमतों का असर खासकर कीमत के प्रति संवेदनशील वर्गों में खपत पर पड़ा है। डब्ल्यूजीसी ने पूरे वर्ष के लिए सोने की मांग 650-750 टन के बीच रहने का अनुमान जताया है, जबकि पिछले साल यह 712 टन थी। हाल के महीनों में सोने की बढ़ती कीमतों ने उपभोक्ताओं के बजट को प्रभावित किया है। डब्ल्यूजीसी की 2026 की पहली तिमाही में स्वर्ण मांग रुख शीर्षक से जारी रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की पहली तिमाही में देश की कुल सोने की मांग 137 टन थी। मूल्य के लिहाज से, 2026 की जनवरी-मार्च तिमाही में मांग लगभग दोगुनी होकर सालाना आधार पर 99 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 2,27,500 करोड़ रुपये (25 अरब डॉलर) तक पहुंच गई।

डब्ल्यूजीसी के क्षेत्रीय मुख्य कार्यपालक अधिकारी (भारत) सचिन जैन ने कहा, ''2026 की पहली तिमाही में भारत का सोना बाजार मात्रा के रुझान और मूल्य वृद्धि के बीच अंतर को दर्शाता है, जो रिकॉर्ड ऊंची कीमतों और बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताओं से प्रभावित है। कुल मांग 151 टन रही, जो 2025 की पहली तिमाही की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक है, जबकि मूल्य के लिहाज से मांग लगभग दोगुनी होकर 99,900 करोड़ रुपये हो गई, जो सालाना आधार पर 99 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाती है।'' घरेलू सोने की कीमत (मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर) 2026 की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 81 प्रतिशत बढ़कर औसतन 1,51,108 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 83,375 रुपये थी। सोने की छड़ों और सिक्कों की मांग 34 प्रतिशत बढ़कर 62 टन हो गई, जो 2013 के बाद पहली तिमाही का सबसे ऊंचा स्तर है। मूल्य के लिहाज से यह मांग 142 प्रतिशत बढ़कर 94,100 करोड़ रुपये हो गई, जो पारंपरिक रूप से आभूषण-प्रधान बाजार से अलग रुझान को दर्शाती है।

भारत-केन्या संयुक्त व्यापार समिति की बैठक में व्यापार संबंधों को मिली गति

नई दिल्ली। भारत-केन्या संयुक्त व्यापार समिति की 10वीं बैठक नैरोबी में आयोजित की गई, जिसमें द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया गया। केन्या के लिए भारत एक प्रमुख व्यापारिक भागीदार के रूप में उभरा है, जबकि दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़कर 4.31 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में बताया कि भारत-केन्या के बीच व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। भारत और केन्या संयुक्त व्यापार समिति (जेटीसी) का 10वां सत्र 27-28 अप्रैल को नैरोबी में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग की समीक्षा करना और उसे सुदृढ़ बनाना था। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार में लगातार वृद्धि का उल्लेख किया, जिसमें भारत केन्या के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में से एक के रूप में उभरा है। भारत और केन्या के बीच वित्त वर्ष 2025-26 में कुल व्यापार 4.31 अरब अमेरिकी डॉलर रहा है, जो वित्त वर्ष 2024-25 के 3.45 अरब अमेरिकी डॉलर से 24.91 फीसदी की वृद्धि है। मंत्रालय ने कहा कि इस बैठक की सह-अध्यक्षता भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग के सचिव राजेश अग्रवाल और केन्या गणराज्य के व्यापार राज्य विभाग की प्रधान सचिव रेजिना अकोटा ओम्बम ने की। यह बैठक व्यापार विविधीकरण को बढ़ाने, बाजार पहुंच संबंधी मुद्दों को हल करने और इंजीनियरिंग सामान, फार्मास्यूटिकल्स, कृषि और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में पूरकताओं का लाभ उठाने पर केंद्रित थी।

मंत्रालय के मुताबिक इस बैठक के दौरान भारत-केन्या चैंबर ऑफ कॉमर्स ने भारत सरकार के वाणिज्य विभाग के सचिव राजेश अग्रवाल की अध्यक्षता में स्थानीय भारतीय व्यापार समुदाय के साथ एक संवाद का आयोजन किया। इस संवाद में स्थानीय भारतीय व्यापार समुदाय और उनके साथ आए सीआईआई व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया और केन्या में व्यापार करने से संबंधित अवसरों और अनुभवों पर ध्यान केंद्रित किया गया

रिकॉर्ड 256 गीगावाट की उच्चतम मांग का करीब एक-तिहाई नवीकरणीय ऊर्जा से पूरा किया गया: प्रल्हाद जोशी

नई दिल्ली। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बुधवार को कहा कि पिछले सप्ताह देश में रिकॉर्ड 256 गीगावाट से अधिक बिजली की मांग का लगभग एक-तिहाई हिस्सा सौर, पवन और जलविद्युत जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से पूरा किया गया। विद्युत मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, शनिवार, 25 अप्रैल को देश में बिजली की अधिकतम मांग 256.11 गीगावाट के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई।

इकोनॉमिस्ट एंटरप्राइज द्वारा आयोजित 'रेजिलिएंट फ्यूचर्स समिट' में केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि 25 अप्रैल को उच्चतम मांग के दौरान कुल बिजली उत्पादन का लगभग एक-तिहाई हिस्सा नवीकरणीय ऊर्जा से सफलतापूर्वक पूरा किया गया। उन्होंने कहा कि यह इस बात को दर्शाता है कि भारत न केवल नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन करने में सक्षम है, बल्कि इसके जरिए उच्चतम बिजली मांग को संभालने में भी सक्षम है। मंत्री ने बताया कि भारत ग्रिड के आधुनिकीकरण, डिजिटलीकरण और कृत्रिम मेधा (एआई) जैसी प्रौद्योगिकियों के उपयोग में निवेश कर रहा है। उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि आने वाले दिनों में बिजली उत्पादन क्षमता में और वृद्धि होगी।'' विद्युत मंत्रालय ने मंगलवार को कहा था, ''भारत ने 25 अप्रैल 2026 को अपराह्न तीन बजकर 38 मिनट पर 256.1 गीगावाट की अब तक की सर्वाधिक बिजली मांग को बिना किसी कमी के सफलतापूर्वक पूरा किया। साथ ही पड़ोसी देशों को बिजली निर्यात भी जारी रखा।''

एफएमसीजी, वाहन शेयरों में तेजी से बाजार चढ़ा, सेंसेक्स 609 अंक उछला

मुंबई। एशियाई बाजारों में मजबूती और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों, वाहन एवं दूरसंचार शेयरों में लिवाली के बीच बुधवार को घरेलू बाजार उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में चढ़कर बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स 609 अंक चढ़कर बंद हुआ जबकि एनएसई निफ्टी में 182 अंक की तेजी रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 609.45 अंक यानी 0.79 प्रतिशत उछलकर 77,496.36 अंक अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,095.6 अंक तक चढ़ गया था।

वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 181.95 अंक यानी 0.76 प्रतिशत बढ़कर 24,177.65 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से आईटीसी लिमिटेड, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर चढ़कर बंद हुए। दूसरी तरफ, इंटरग्लोब एविएशन, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में गिरावट देखी गई। प्रमुख वाहन विनिर्माता मारुति सुजुकी का शेयर सकारात्मक नतीजों के बाद 2.82 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 14,679.5 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड वार्षिक शुद्ध लाभ दर्ज किया है।

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का सूचकांक कॉस्पी, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि जापान के बाजार अवकाश के कारण बंद रहे। विश्लेषकों के अनुसार, बेहतर तिमाही नतीजों और घरेलू मांग की मजबूती ने घरेलू बाजार को भू-राजनीतिक तनाव से ध्यान हटाकर समर्थन देने का काम किया। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि कमजोर वैश्विक संकेतों और कच्चे तेल के ऊंचे दाम के बावजूद निवेशकों ने गिरावट का फायदा उठाकर खरीदारी की। वैश्विक स्तर पर ब्रेंट क्रूड 2.85 प्रतिशत बढ़कर 114.4 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

इस बीच, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 2,103.74 करोड़ रुपये की बिकवाली की, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 1,712.01 करोड़ रुपये की खरीदारी की। पिछले कारोबारी सत्र में सेंसेक्स 416.72 अंक टूटकर 76,886.91 अंक और निफ्टी 97 अंक गिरकर 23,995.70 अंक पर बंद हुए थे।

निर्यात में अप्रैल में अब तक अच्छी वृद्धि: पीयूष गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के बावजूद अप्रैल के पहले तीन हफ्तों में देश के निर्यात में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई है। गोयल ने यह भी कहा कि भारत द्वारा किए गए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) घरेलू उद्योग को बड़ा प्रोत्साहन देंगे।

गोयल ने संवाददाताओं से कहा, ''इस साल अप्रैल के पहले तीन हफ्तों में पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में निर्यात में वृद्धि हुई है। पश्चिम एशिया में युद्ध जैसी स्थिति के बावजूद घरेलू निर्यातकों में काफी उत्साह है।'' पश्चिम एशिया को निर्यात के बारे में उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य चुनौती बना हुआ है, इसलिए माल भेजने के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग किया जा रहा है। अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत की प्रगति के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा, ''करीब एक सप्ताह पहले हमारी बहुत अच्छी चर्चा हुई थी। हमारा प्रतिनिधिमंडल लौट आया है और बातचीत जारी है।''

उन्होंने बताया कि सरकार संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ब्रिटेन, यूरोपीय संघ, चार यूरोपीय देशों के समूह ईएफटीए (यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ), ऑस्ट्रेलिया, मॉरीशस और ओमान के साथ व्यापार समझौते अंतिम रूप दे चुकी है। गोयल ने कहा, ''करीब 12 अन्य समझौते भी प्रक्रिया में हैं।'' भारत इजराइल, खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) और कनाडा के साथ भी व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा है।

गौरी संग रिश्ते पर बोले आमिर, कहा- अब जिंदगी में सुकून है

अभिनेता आमिर खान ने हाल ही में अपनी निजी जिंदगी को लेकर खुलकर बात की और बताया कि वह अपनी मौजूदा पार्टनर गौरी स्प्रैट के साथ बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा कि वह खुद को बहुत भाग्यशाली मानते हैं कि गौरी उनकी जिंदगी में आईं। आमिर के अनुसार, उनके साथ उन्हें शांति और एक अलग तरह का सुकून महसूस होता है। आमिर ने कहा कि उनकी जिंदगी में पहले भी गहरे रिश्ते रहे हैं। उन्होंने अपनी पूर्व पत्नियों रीना दत्ता और किरण राव का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों के साथ उनका रिश्ता बहुत खास था, लेकिन समय के साथ परिस्थितियां बदल गईं। इसके बावजूद उनके मन में दोनों के लिए सम्मान आज भी बना हुआ है। अभिनेता ने यह भी स्वीकार किया कि लंबे समय तक वह सिर्फ अपने काम में डूबे रहे। उन्होंने बताया कि करीब 30 से 35 साल तक फिल्में, अभिनय और काम ही उनकी प्राथमिकता रहे, जिसकी वजह से वह अपने परिवार और करीबियों को पूरा समय नहीं दे पाए। आमिर ने माना कि यह उनकी जिंदगी की सबसे बड़ी गलतियों में से एक रही। आमिर ने कहा कि कोविड के दौरान उन्हें अपनी जिंदगी को करीब से समझने का मौका मिला। उसी समय उन्हें एहसास हुआ कि रिश्तों की अहमियत सबसे ज्यादा होती है। अब वह अपने जीवन में संतुलन बनाकर चलना चाहते हैं और मानते हैं कि गौरी के आने से उनकी जिंदगी पहले से ज्यादा पूरी महसूस होने लगी है।

जिमी फॉलन के शो के बाद दिलजीत ने जताया आभार

पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ इन दिनों एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर छाए हुए हैं। हाल ही में उन्होंने अमेरिकी होस्ट जिमी फॉलन के लोकप्रिय शो 'द टुनाइट शो' में दूसरी बार शिरकत की। साल 2024 के बाद यह दूसरा मौका था जब दिलजीत ने इस मंच पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई और अपनी शानदार प्रस्तुति से दर्शकों का दिल जीत लिया। शो से लौटने के बाद दिलजीत ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक खास वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में जिमी फॉलन उन्हें मंच पर गर्मजोशी से स्वागत करते नजर आए। दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाया और साथ में भांगड़ा भी किया। इस खास पल ने सोशल मीडिया पर फैंस का ध्यान खींच लिया और वीडियो तेजी से वायरल होने लगा। दिलजीत ने अपने पोस्ट में जिमी फॉलन का आभार जताते हुए लिखा कि उनके अंदर बेहद सकारात्मक ऊर्जा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय संस्कृति को दुनिया के सामने पेश करने के लिए ऐसा मंच देने पर वह उनके शुक्रगुजार हैं। दिलजीत की इस उपलब्धि को उनके प्रशंसक भारतीय संगीत के लिए एक बड़ी कामयाबी के रूप में देख रहे हैं।

'रजनी की बारात' का पोस्टर रिलीज, खुद बारात लेकर निकलीं उल्का गुप्ता

अभिनेत्री उल्का गुप्ता की आगामी हिंदी फिल्म 'रजनी की बारात' का पहला पोस्टर जारी कर दिया गया है, जिसने रिलीज होते ही दर्शकों का ध्यान खींच लिया है। पोस्टर में उल्का स्कूटर पर पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी ही बारात की अगुवाई करती नजर आ रही हैं। यह अनोखा दृश्य पारंपरिक सोच से हटकर एक नई कहानी की झलक देता है, जिसमें एक लड़की अपनी जिंदगी के फैसले खुद लेती दिखाई देगी। पोस्टर में उल्का के साथ सुनीता राजवर और जरीना वहाब भी मुस्कुराते हुए नजर आ रही हैं, जबकि अश्वथ भट्ट पुलिस अधिकारी के किरदार में दिखाई दे रहे हैं। शादी का रंगीन माहौल और बैकग्राउंड में चल रही तैयारियां पोस्टर को एक खास बॉलीवुड अंदाज देती हैं। फिल्म में कनिष्क विजय भी अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे।

फिल्म के निर्देशक आदित्य अमन के अनुसार, 'रजनी की बारात' सिर्फ शादी की कहानी नहीं बल्कि समाज की पुरानी सोच को चुनौती देने वाली कहानी है। निर्माता तनाया आडारकर प्रभु और तेज एच आडारकर का कहना है कि यह फिल्म आज की पीढ़ी को एक मनोरंजक और भावनात्मक कहानी के साथ जोड़ने का काम करेगी। वहीं उल्का ने कहा कि रजनी का किरदार उनके दिल के बेहद करीब है। एपिफनी एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी यह फिल्म 29 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'भूत बंगला' की रफ्तार धीमी 'माइकल' से मिल रही कड़ी टक्कर

अक्षय कुमार की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' की कमाई में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 12 दिन पूरे कर लिए हैं, लेकिन अब तक यह 150 करोड़ क्लब से काफी दूर है। दूसरे मंगलवार को फिल्म ने 4.35 करोड़ का कारोबार किया, जो पिछले दिन के 3.65 करोड़ से थोड़ा बेहतर रहा। इसके साथ फिल्म का कुल कलेक्शन 121.40 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। हालांकि, फिल्म ने शुरुआती दिनों में अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन दूसरे हफ्ते में इसकी रफ्तार धीमी पड़ती नजर आ रही है। ट्रेंड जानकारों का मानना है कि 150 करोड़ के आंकड़े तक पहुंचने के लिए फिल्म को आने वाले दिनों में मजबूत पकड़ बनाए रखनी होगी। अक्षय कुमार की इस फिल्म से दर्शकों को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन फिलहाल इसका प्रदर्शन उम्मीद से थोड़ा कम माना जा रहा है। वहीं हॉलीवुड फिल्म 'माइकल' भारतीय बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक प्रदर्शन कर रही है। माइकल जैक्सन की जिंदगी पर आधारित इस फिल्म ने पांचवें दिन 2.40 करोड़ कमाए, जिससे इसका कुल कारोबार 21.15 करोड़ रुपये हो गया है। दूसरी ओर 'गिन्नी वेड्स सन्नी 2' की हालत कमजोर बनी हुई है और पांचवें दिन सिर्फ 10 लाख की कमाई के साथ इसका कुल कलेक्शन 1.43 करोड़ रुपये तक ही पहुंच पाया है।

नेपाल सरकार द्वारा अध्यादेश लाए जाने का सत्तारूढ़ दल के सांसदों द्वारा विरोध

काठमांडू। नेपाल में बालेन्द्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा लाए गए दो अध्यादेश को लेकर सत्तारूढ़ दल राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के दो सांसदों के अलग-अलग मत सार्वजनिक हुए हैं। सरकार ने संसद सत्र रोककर संवैधानिक परिषद और सहकारी संबंधी दो अध्यादेश जारी करने के लिए राष्ट्रपति के समक्ष सिफारिश की है। इसके बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष में बहस तेज हो गई है, और इसी बीच आरएसपी के सांसदों की अलग-अलग राय सामने आई है। नेपाल के विपक्षी दल जहां अध्यादेश की आलोचना कर रहे हैं, वहीं आरएसपी सांसद गणेश कार्की ने कहा कि संसद सत्र रोककर अध्यादेश लाना बहादुरी नहीं है। दूसरी ओर, इसी पार्टी के सांसद राजीव खत्री ने अध्यादेश का बचाव किया है। कार्की ने अपनी ही पार्टी की सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि लगभग दो-तिहाई बहुमत वाली सरकार का अध्यादेश लाना उचित नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा, "लगभग दो-तिहाई बहुमत वाली पार्टी के लिए संसद सत्र रोककर अध्यादेश लाने की स्थिति क्यों आई, यह बाद में स्पष्ट होगा, लेकिन इसे बहादुरी नहीं कहा जा सकता।" उन्होंने यह भी

कहा कि अध्यादेश लाना संविधान द्वारा दिया गया अधिकार है, लेकिन इस बार संविधान की भावना का पालन नहीं किया गया। सांसद गणेश कार्की ने कहा, "इस बार भी अध्यादेश की सिफारिश संविधान के शब्दों के आधार पर की गई है, उसकी भावना के आधार पर नहीं। संविधान केवल शब्दों से जीवित रहने वाला दस्तावेज नहीं है, बल्कि उसकी भावना के पालन से ही जीवंत रहता है।" उन्होंने यह भी याद दिलाया कि वर्तमान विपक्षी दलों ने पहले अध्यादेश लाए जाने पर सवाल उठाए थे, और अब अपनी ही सरकार होने के बावजूद वह वही सवाल उठा रहे हैं। सरकार के द्वारा अध्यादेश लाने का बचाव करते हुए आरएसपी के सांसद राजीव खत्री ने कुछ घंटे बाद सोशल मीडिया के माध्यम से उन सवालों का जवाब दिया, जिनमें पूछा जा रहा था कि लगभग दो-तिहाई बहुमत वाली सरकार को संसद सत्र स्थगित कर अध्यादेश क्यों लाना पड़ा। उन्होंने ऐसे सवालों को "कुतर्क" करार दिया और कहा कि कानून बनाने की प्रक्रिया लंबी होती है। सबसे पहले कानून का मसौदा तैयार किया जाता है, फिर उसे संबंधित पक्षों के लिए सार्वजनिक किया जाता है, उसके बाद संसद की समितियों में धारा-दर-धारा चर्चा होती है और फिर समिति उसे सदन में भेजती है। राजीव खत्री ने कहा कि सामान्य परिस्थितियों में भी प्रक्रिया पूरी करने में लगभग दो महीने लग जाते हैं। उन्होंने यह भी सवाल उठाने वालों को जवाब देते हुए कहा, "मुख्य प्रश्न यह है कि किस प्रकार का अध्यादेश लाया गया और इसका उद्देश्य क्या है?" अपने ही सांसदों द्वारा सरकार के द्वारा लाए गए अध्यादेश का विरोध किए जाने के बाद पार्टी अध्यक्ष रवि लामिछाने ने सांसदों की बैठक बुलाई है। उन्होंने सभी सांसदों को सिंहदरबार स्थित संसदीय दल के कार्यालय में बुलाने की जानकारी आरएसपी के महासचिव कविंद्र बुरलाकोटी ने दी है।।

मक्का में हज नियम तोड़ने पर पाकिस्तान के छह नागरिक गिरफ्तार

मक्का (सऊदी अरब)। मक्का के प्रवेश द्वारों पर तैनात सुरक्षा बलों ने छह लोगों को हिरासत में लिया है। यह सभी पाकिस्तान के नागरिक बताए जा रहे हैं। सऊदी अरब के अधिकारियों का कहना है कि इस साल की हज यात्रा से पहले नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में इन सभी की गिरफ्तारी की गई है। मक्का के गृह मंत्रालय ने कहा है कि गिरफ्तार किए गए इन नागरिकों पर बिना परमिट के 20 लोगों को हज कराने के लिए ले जाने का आरोप है। सऊदी अरब के लोक सुरक्षा महानिदेशालय ने सभी से आग्रह किया है कि वे हज के लिए निर्धारित नियमों और दिशा-निर्देशों का पालन करें। हज यात्रियों की सुरक्षा व देखरेख सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ सहयोग करें। महानिदेशालय ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों को दंडित किया जाएगा। सऊदी गजट अखबार और पाकिस्तान के दुनिया न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, इनमें से पाकिस्तान के एक नागरिक को बिना

वैध हज परमिट के मक्का में रहने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पांच अन्य को बिना उचित अनुमति के हज यात्रियों की मदद करने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। ऐसी घटनाओं के बाद सऊदी अरब और मक्का में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मौजूदा नियमों के तहत मक्का में प्रवेश और रहने की अनुमति केवल उन्हीं लोगों को है जिनके पास हज वीजा है। 18 अप्रैल के बाद पर्यटकों या अन्य अस्थायी वीजाधारकों का प्रवेश नियमों का उल्लंघन माना जाएगा। सऊदी गृह मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि हज परमिट नियमों का उल्लंघन करने पर 20,000 से 100,000 सऊदी रियाल तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। गृह मंत्रालय ने कहा कि उमरा वीजा पर आए लोगों को 18 अप्रैल तक देश छोड़ने का निर्देश पहले ही दिया जा चुका है। निर्देश का उल्लंघन करने पर जुर्माना, छह महीने की जेल और देश निकाला जैसी सजा का सामना करना पड़ सकता है। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों को लोक अभियोजन के हवाले कर दिया गया है। निदेशालय ने लोगों से अपील की है कि वे मक्का, रियाद और मदीना क्षेत्रों में नियमों का उल्लंघन करने वालों की सूचना देने के लिए 911 पर कॉल करें।

नेपाल में भूमिहीनों की बस्ती पर बुलडोजर कार्रवाई का विरोध, प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग

काठमांडू। नेपाल में श्रम संस्कृति पार्टी के अध्यक्ष एवं सांसद हर्क सांपांग ने भूमिहीनों की बस्ती पर प्रशासन द्वारा बुलडोजर चलाकर ध्वस्त करने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह के इस्तीफे की मांग की है।

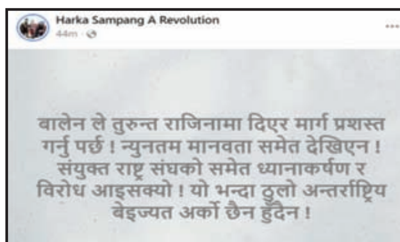

सांपांग ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि बालेंद्र शाह की सरकार ने भूमिहीनों की जमीन पर बुलडोजर चलाने के दौरान न्यूनतम मानवता भी नहीं दिखाई। उन्होंने प्रधानमंत्री पर संवेदनहीन होने का आरोप लगाते हुए अपने पद से इस्तीफा देने की मांग की है। सांपांग ने दावा किया कि इस मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र ने भी अपील जारी करते हुए भूमिहीनों की बस्ती में बुलडोजर चलाने से पहले उनके लिए सभी प्रकार के विकल्प उपलब्ध कराने की अपील की थी लेकिन प्रधानमंत्री ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। इस मसले पर नेपाल के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के साथ ही कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने भी बुलडोजर कार्रवाई का विरोध किया।

लेबनान में इजराइल के हमले में हिजबुल्लाह की बड़ी सुरंग नष्ट, दर्जनों आतंकी मारे गए

लेबनान/तेल अवीव। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने दक्षिण लेबनान में हमला कर आतंकी समूह हिजबुल्लाह की बड़ी सुरंग को उड़ा दिया। इस हमले में दर्जनों आतंकवादी मारे गए हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमले की पुष्टि की है। नेतन्याहू ने एक्स पर वीडियो साझा कर यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने एक्स पर लिखा, "आज हमने हिजबुल्लाह की एक बहुत बड़ी सुरंग को उड़ा दिया। हम उनके आतंकी ढांचे को तबाह कर रहे हैं। हमले में दर्जनों आतंकियों को मार गिराया गया है। अभी और भी बहुत कुछ होना बाकी है। " आईडीएफ ने कहा कि दो किलोमीटर लंबी यह सुरंग दक्षिण लेबनान के कंतारा में डिवीजन 36 में थी। इसकी गहराई जमीन से 25 मीटर नीचे थी। इस सुरंग का निर्माण ईरान की मदद से हुआ था। आईडीएफ ने बताया कि मंगलवार को 450 टन विस्फोटक की मदद से इस सुरंग को नष्ट कर दिया गया है। यह सुरंग पथरीली ग्रेनाइट चट्टान में खोदी गई थी। सुरंग के अंदर 30 कमरों थे। इस सुरंग में हथियारों का बड़ा जखीरा

छुपा हुआ था। इसकी रक्षा के लिए दर्जनों आतंकवादी तैनात थे। हमले में सभी आतंकी मारे गए। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, आईडीएफ ने बताया कि मंगलवार को हिजबुल्लाह ने दक्षिण लेबनान में तैनात इजराइली सैनिकों पर ड्रोन से हमला किया। एक दिन पहले ड्रोन हमले में एक सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गया था। आईडीएफ के अनुसार, मंगलवार को ही दक्षिण लेबनान में हिजबुल्लाह के एक ड्रोन हमले में रक्षा मंत्रालय का सिविलियन कॉन्ट्रैक्टर आमेर हुजिरात (44) मारा गया। इस हमले में ठेकेदार का बेटा भी छर्रे लगने से घायल हो गया है।

ब्रिटेन में ईरानी दूतावास के संदेश पर राजदूत तलब, विदेश मंत्रालय ने कहा- यह सब अस्वीकार्य व भड़काऊ

लंदन। ब्रिटेन स्थित ईरानी दूतावास के अपने देशवासियों के नाम सोशल मीडिया पर जारी संदेश को विदेश मंत्रालय ने गंभीरता से लिया है। ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय ने इस संदेश को ब्रिटेन की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए राजदूत सैयद अली मूसावीको तलब किया। ब्रिटेन ने कहा कि ऐसा बयान पूरी तरह अस्वीकार्य और भड़काऊ है। यह संदेश दूतावास ने हाल ही में जारी किया है।

इसमें ब्रिटेन में रह रहे ईरानियों से अपने देश के लिए जान कुर्बान करने की अपील की गई है। ब्रिटेन के अखबार डेली मेल में इस संदेश का खुलासा होने पर कूटनीतिक विवाद खड़ा हो गया। ब्रिटिश सरकार ने इसे अस्वीकार्य बताया है। ईरानी दूतावास ने इसे देशभक्ति का प्रतीक बताया है। रिपोर्ट के अनुसार ईरानी दूतावास ने अपने आधिकारिक टेलीग्राम चैनल पर यह संदेश जारी किया। संदेश में दूतावास ने ब्रिटेन में रह रहे प्रवासियों से 'खुद को कुर्बान करने' का आह्वान किया था। ब्रिटेन की आतंकवादरोधी पुलिस ने पुष्टि की है कि वह उस सोशल मीडिया पोस्ट की जांच कर रही है, जिसमें 'गर्वित ईरानी हमवतनों' से शहादत के कार्यक्रम में शामिल होने का आह्वान किया गया था। दूतावास के आधिकारिक टेलीग्राम चैनल पर फारसी भाषा में की गई पोस्ट में लिखा गया, "आइए, हम सब मिलकर, एक-एक करके, अपने शरीर को कुर्बान कर दें, क्योंकि यह अपने देश को दुश्मन के हवाले करने से कहीं बेहतर है।